

Gardner-Webb University

Digital Commons @ Gardner-Webb University

The Etude Magazine: 1883-1957

John R. Dover Memorial Library

8-1-1921

Volume 39, Number 08 (August 1921)

James Francis Cooke

Follow this and additional works at: <https://digitalcommons.gardner-webb.edu/etude>



Part of the [Composition Commons](#), [Ethnomusicology Commons](#), [Fine Arts Commons](#), [History Commons](#), [Liturgy and Worship Commons](#), [Music Education Commons](#), [Musicology Commons](#), [Music Pedagogy Commons](#), [Music Performance Commons](#), [Music Practice Commons](#), and the [Music Theory Commons](#)

Recommended Citation

Cooke, James Francis (ed.). The Etude. Vol. 39, No. 08. Philadelphia: Theodore Presser Company, August 1921. The Etude Magazine: 1883-1957. Compiled by Pamela R. Dennis. Digital Commons @ Gardner-Webb University, Boiling Springs, NC. <https://digitalcommons.gardner-webb.edu/etude/682>

This Book is brought to you for free and open access by the John R. Dover Memorial Library at Digital Commons @ Gardner-Webb University. It has been accepted for inclusion in The Etude Magazine: 1883-1957 by an authorized administrator of Digital Commons @ Gardner-Webb University. For more information, please contact digitalcommons@gardner-webb.edu.

THE ETUDE

PRESSER'S MUSICAL MAGAZINE

PRICE 25 CENTS AUGUST 1921 \$ 2.00 A YEAR

NOTABLE
MUSICAL ADDRESSES
BY

Solicitor General James M. Beck
Hon. Henry VanDyke
Lt. Com. John Philip Sousa

THE MOST USEFUL THING
IN TECHNIC
Perlee V. Jervis

VOCAL MASTERPIECES
FOR THE MASSES
Henri Scott

THE SECRET OF EXPRESSION
AT THE KEYBOARD
Prof. Oscar Beringer

EIGHTEEN EXCELLENT
PIECES OF MUSIC

Prepare Now for the Coming Teaching

A Careful Reading of these Lists Will Repay Teachers

PRIMERS—RUDIMENTARY WORKS

[illegible]

PIANO INSTRUCTOR:

[illegible]

PIANO COLLECTIONS—FOUR HAND

[illegible]

VIOLIN MATERIAL

[illegible]

PIANO TECHNICS AND STUDIES

74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----

Season-Here are Helpful Suggestions

Desiring to Strengthen and Modernize their Teaching Systems

Desiring to Strengthen and Modernize their Teaching Systems

PIANO COLLECTIONS

ADVANCED STUDY PIECES	\$1.00	LITTLE HOME PLAYER, Play or Organ
Pieces of technical value as well as musical		McDOWELL, Edw. 6 pieces after Heine, Op. 31
interest		MASTER PIECES, The 24 Preludes of Chopin
ALBUM OF DESCRIPTIVE PIECES	1.25	from the greatest masters
24 pieces of descriptive music, including many		MATHEW, J. H. First, Second Fourth and Second
materially various scenes and impressions, laterally		Grade Pieces
various in style		Mathew, J. H. Third and Fourth Grade Pieces
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	1.25	Standard Fifth and Sixth Grade Pieces
24 pieces of descriptive music, including many		Largest collection for the grade
materially various scenes and impressions, laterally		Standard
various in style		Standard Compositions, Vol. 1 Grade I to
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	1.25	Vol. VII, Grade VII, etc.
24 pieces of descriptive music, including many		MENDSSOHN, F. 24 pieces Without Words (Cam-
materially various scenes and impressions, laterally		den)
various in style		MODERN CLASSICAL MUSIC
ALBUM OF DESCRIPTIVE PIECES	1.00	MODERN DRAWING ROOM PIECES
24 pieces of descriptive music, including many		from the greatest masters
materially various scenes and impressions, laterally		MOZART, M. 24 pieces, 2 vols., each
various in style		MUSIC OF THE FUTURE
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	"Album of Favorite Compositions"
24 pieces of descriptive music, including many		from the greatest masters
materially various scenes and impressions, laterally		PAULSEN, Edw. 24 pieces, 2 vols., each
various in style		PALOWER, H. Songs and Dances from Foreign
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	Lands
24 pieces of descriptive music, including many		PARLOLO, H. 24 pieces, 2 vols., each
materially various scenes and impressions, laterally		PARLOLO and SCHOOL MARCHES
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
various in style		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
AMERICAN COMPOSERS' ALBUM	.75	PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
24 pieces of descriptive music, including many		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR
materially various scenes and impressions, laterally		PIANO PLAYERS' REPERTOIRE OF POPULAR

VOCAL COLLECTIONS

75	ARTIST VOICE ALBUM FOR HIGH VOICE.	\$1 25	LIANCE, THURLOW, Indian Songs.	\$1 50
76	ARTIST VOICE ALBUM FOR LOW VOICE.	\$1 25	LIANCE, THURLOW, Indian Songs.	\$1 50
77	BIRD WALKS, MEN'S CHORUS.	2 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
78	BISHAM, DAVID, Choral Sacred Songs.	2 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
79	Choral songs, suitable for church, society, and students, made in recent years.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
80	Choral songs, Sacred and Secular.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
81	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
82	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
83	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
84	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
85	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
86	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
87	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
88	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
89	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
90	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
91	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
92	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
93	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
94	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
95	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
96	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
97	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
98	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
99	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00
100	Choral Song Book for WOMEN'S VOICES.	1 00	MEN'S CLUB COLLECTION.	2 00

ORGAN WORKS

75	AMERICAN ORGANIST	\$2.00	ORGAN REPAIRING	OREM, P. W. P.	\$2.00
76	Provides postulates and lectures for church and retail, all by prominent American writers.		ORGAN COLLECTION	OREM, P. W. P.	\$2.00
77	BACCHUS, or the Feast of Bacchus and Fawns	1.25	PROGRESS, THE, Velocity Studies	Read Organ	1.00
78	CLASSICAL AND MODERN GENES (see Read Organ)	1.25	REGENT and modern pieces	OREM, P. W. P.	1.00
79	An album of transcriptions for the pipe organ of the most famous and modern pieces have represented.	1.25	STANDARD ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
80	CHURCH METHOD, PAPER	1.25	STANDARD ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
81	School of Read Organ Playing, 4 vols., 4 grades.	1.00	STANDARD ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
82	ORGAN PLAYER, OREM, P. W. P.	1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
83		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
84		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
85		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
86		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
87		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
88		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
89		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
90		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
91		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
92		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
93		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
94		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
95		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
96		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
97		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
98		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
99		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25
100		1.00	TECHNICAL ORGANIST, P. W. P.	OREM, P. W. P.	1.25

MUSICAL THEORY, REFERENCE
BOOKS, GENERAL MUSICAL
LITERATURE.

60	BALTZELL, W. J. <i>History of Music</i>	12.00	HOFMANN, JOSEF. <i>Piano Playing with Piano</i>	12.00
70 of leading schools, colleges, and	 Questions answered	
75 conservatories of music. Many illustrations	 Over 100 pages of essays on vital points in	
80		 piano playing and questions answered by	
85		 a contemporary virtuoso.	
90	BENDER, G. C. <i>Business Manual for Music Teachers</i>	1.25	MUSICAL BOOKLET LIBRARY, 9 vols., each.....	1.10
95	CLARK, H. A. <i>Harmony, A Text-Book</i>	1.00 of H. W. Hermann	
00 Harmonies explained in a simple, easy,	 The pianist and most elementary harmony	
05 and comprehensively the facts and rules of the	 book named. Adapted for self-instruction	
10 of Harmony.	 Playing, especially suited for self-instruction	
15 <i>Key to Harmony, A Text-Book</i>60 Piano, 10 vols., each.....	2.00
20 <i>Practical Dictation Exercises</i>60 "Studies of Standard Teaching Practice"	
25 <i>Promoting Dictation</i>60 Aids in intelligent understanding of many	
30 <i>Practical Dictation Exercises</i>60 related to the piano with these books.	
35	COOKE, J. F. <i>Standard History of Music</i>	40.00 Adds in intelligent understanding of many	
40 A first history for the use of all students	 Students, teachers and concert-goers should	
45 of music in music form. Most readable;	 have these books with them.	
50 100 excellent portraits and illustrations			
55 of the great composers.		REDMAN, H. N. <i>Pronouncing Dictionary of</i>	60.00
60 <i>Personals</i> contains on technique, interpretation,	 SKINNER, O. R. <i>First Year in Theory</i>	1.00
65 and personal notes on the life of the	 of Music for Children.....	1.00
70 <i>Personals</i> contains on technique, interpretation,	 STRATFIELD, Life Studies of Great Composers.....	2.75
75 and personal notes on the life of the		TAPPER, <i>First Studies in Music</i>	1.75
80 <i>Personals</i> contains on technique, interpretation,	 readable and never weary. Full sketch of	
85 and personal notes on the life of the	 composer's life with pictures and other	
90 <i>Personals</i> contains on technique, interpretation,	 illustrations	
95 and personal notes on the life of the	 <i>Education of the Music Teacher</i>	1.75
00	ELSON, L. C. <i>Music Teaching and Directed</i>	1.00	WILKINSON, C. W. <i>How to Play Well-known</i>	1.00
05 <i>Music of Music Teaching</i>	1.00 <i>Classical Music for Children</i>	1.00
10	GROVE'S DICTIONARY OF MUSIC AND MUSI-	20.00	WODELL, F. W. <i>Chorus and Chorus</i>	2.00
15 <i>Classical Music for Children</i>	20.00		
20 <i>Classical Music for Children</i>	20.00		
25	HEACO, LUTHER E. <i>Ear Training</i>	1.00		

VOCAL METHODS AND STUDIES

[illegible]

TEACHERS' SPECIALTIES

[illegible]

The Theodore Presser Company cheerfully opens accounts with responsible individuals, grants liberal discounts to the profession and offers many special inducements to the amateur. All orders filled promptly.

form will be sent gratis upon request

MAIL ORDER MUSIC SUPPLY HOUSE. PHILADELPHIA, PA.

Helpful Catalogs Cheerfully Furnished

A postal request is all that is necessary to obtain any of our carefully prepared, graded and classified catalogs, suggesting numbers for teaching, concert or church purposes. Descriptive catalogs of piano collections or theoretical works and musical literature may also be obtained. Tell us the branches in which you are interested and state whether teacher, performer or music lover.

Theodore Presser Co. "On Sale" Plan

A selected graded list of pieces in sheet

THEODORE PRESSER CO.,

"Leaders" Music Publications—Each an Outstanding Success in Its Classification

MUSIC LITERATURE

GROVE'S DICTIONARY OF MUSIC AND MUSICIANS—WITH—**New American Supplement**

THE GREAT "GROVE'S DICTIONARY" With the **AMERICAN SUPPLEMENT**
SIX VOLUMES, COMPLETE, \$20 SEPARATE COPIES OF SUPPLEMENT, \$3.50



YOU CAN HAVE THIS BEST OF MUSICAL WORKS IN YOUR OWN HOME LIBRARY!

Buy a Set on Easy Terms
A FEW DOLLARS WILL BRING THE SET TO YOU. BALANCE IN SMALL MONTHLY INSTALLMENTS.

The Theodore Presser Co. secured publishing rights on "Grove's Dictionary" in order that Music Lovers might purchase it at the lowest possible price and under the most liberal purchase terms.

—PRICE \$20.00—

An Incomparable Musical Reference Library—Six Large Volumes—Bound in Cloth—Stamped in Gold—Illustrated

HISTORY

Standard History of Music
BY JAMES FRANCIS COOKE PRICE \$1.50

A History that Has Pleased Thousands
So Clear that a Child Can Understand Every Word
So Absorbing that Adults are Charmed With It

Music lovers are here supplied with interesting reading and the music student is supplied with forty story lessons in music lore. The illustrations alone are of a most interesting character and number over 150. All difficult words are "well-pronounced." Bound in cloth, stamped in gold.

Harmony Book for Beginners
BY PRESTON WARE OREM PRICE \$1.25

Teachers Achieve Speedy Results With This Harmony Book. Also the Best and Most Practical Work for Self-Study in Harmony

An unequalled "success." The main essentials of harmony are made understandable in a clear, concise manner and everything is presented simply, yet in an engaging manner. A work that lays a strong foundation for future musicianship. Flexible cloth binding.

PIANO COLLECTIONS

EASY
New Rhymes and Tunes for Little Pianists.
By H. L. CRAMM Price 75 cents
A most popular book of ten small pieces for young beginners learning staff notation.
Standard First Pieces Price 75 cents
One of the best compilations of easy teaching pieces. A wealth of traditional numbers.

MEDIUM
Piano Players' Repertoire
48 Piano Pieces Price 75 cents
Excellent third and fourth grade piano compositions in various styles.
Popular Parlor Album
22 Piano Pieces Price 75 cents
A volume that sells on merit. The contents are in medium grade.

DIFFICULT
Standard Advanced Album
22 Piano Pieces Price 75 cents
Very satisfying to accomplished pianists.
Celebrated Compositions
By Famous Composers Price \$1.00
Thirty-three numbers that all good pianists want.

SACRED
Sunday Piano Music Price \$1.00
Digitized numbers for church and home.

PIANO INSTRUCTION



BEGINNER'S BOOK
SCHOOL OF THE PIANOFORTE—Vol. One
By Theodore Presser Price, \$1.00

Used More Extensively Than Any Other Elementary Instruction Book

The simplicity of this work has enabled many teachers to achieve speedy results with even the youngest beginners. It is literally a "First Reader" in piano study, having many features such as large music notes, step-by-step grading, abundant explanation, writing exercises and very attractive pieces and duets. It completes the first grade of study up to, but not including, the scales.

STANDARD GRADED COURSE OF STUDIES
FOR THE PIANOFORTE
In Ten Grades—Ten Volumes
By W. S. B. Mathews Price, \$1.00

An Unequaled Educational Work for Piano

This is a complete, progressive series of the indispensable studies for the piano from the very beginning to the highest grade. It is a convenience to teachers and a great advantage to pupils. Except for young pupils, study can be commenced with the first book. Where the pupil is young, however, it is well to lead up to this course with the "Beginner's Book."

PIANO INSTRUCTION

Celebrated Recital Songs
Compiled by DAVID BISPHAM Price \$2.00
A famous artist-teacher's selection of 41 songs that should be in the library of every singer.

Artistic Vocal Album
For High Voice Price \$1.25
A splendid collection of songs for recital or diversion. Good songs by recognized composers.

Artistic Vocal Album
For Low Voice Price \$1.25
A companion volume to above. Songs adapted for low voice.

Standard Song Treasury
48 Modern Voice Songs Price 75 cents
Church and Home Collection of Sacred Songs
High Voice, Price \$1.00. Low Voice, \$1.00
Seven Songs from Way Down South
By LILY STRICKLAND Price \$1.25
Artistic songs illustrating southern negro characteristics. Some are grave, others gay, all very characteristic.

Songs of the North American Indian
By THURLOW LEURANCE Price \$1.50
A collection of nine Indian songs. Includes Minstrel and other favorite Indian songs.

VOCAL COLLECTIONS



A FEW "SUCCESSSES" IN "SHEET" MUSIC PUBLICATIONS

PIANO		VOCAL	
Melody of Love, Spanghams	1	By the Waters of Minnesota	2 (keys) .50
Alto Fables, Escudé	1	Of the Stars, Jeanne Francis Cooke	12 (keys) .50
The Aerial, Spanghams	1	Of the Stars, Jeanne Francis Cooke	12 (keys) .50
No. 1, Serenade, March, Meridian	3	I Heard the Voice of Jesus Say, Rathbone	2 (keys) .50
Keeping Step With the Union, March, Sousa	2	Sweet Mine Mary, Neidinger	2 (keys) .50
Dance of the Winds, Froehde	2	I am, Burleigh	3 (keys) .50
American Indian Rhymes, Orem	8	Where Love is All, Tule	2 (keys) .50



Theodore Presser Co. Music Publishers and Dealers
1116-1712-1714 Chestnut St., Philadelphia, Pa.

THE ETUDE

AUGUST, 1921

Single Copies 25 Cents

VOL. XXXIX, No. 8

Wealth In Music

ONE of the shrewdest of the British economists, in a recent work, indicates the source of wealth. He discovers that in the make-up of the world's great fortunes the following trinity plays the all-important part:

Capital
Industry
Ideas

Of these he places ideas first; for one may have abundant capital and abundant energy but without the yeast of ideas the mass will rarely expand. Every great work, every great business, every great organization has grown from these three economic virtues—Capital, Industry and Ideas—but the greatest of these is IDEAS. If this were not so, the myriads of people with small capital from \$1000.00 to \$100,000.00 would soon become millionaires as would the millions of splendid men and women who toil from morning to night from their youth until the grave—but "never get anywhere." On the other hand, one must have the energy and a little capital, or ideas are worthless.

Perhaps your work in music teaching has been at a standstill for years and you are beginning to wrinkle your brow about it. You are not content to see the same income on your books year after year. You want to go ahead—you feel that you are entitled to go ahead. You say, "I work harder than any musician I know, and I work conscientiously, but I don't seem to get on."

Of course, so long as you are entirely dependent upon your own professional services, your only road to progress is by increasing your fees. But if you have IDEAS you can get others to lend their services to their development. While you are helping others you can be getting ahead yourself. Hundreds of enterprising men and women have done this for their own good, the good of their associates and the good of the community. Ideas in Books; Ideas in Teaching Methods; Ideas in Conservatories; Ideas Everywhere. God bless the men and the women with ideas and the practical ability to carry them out. He is the "meal-ticket" (what an indispensable colloquialism, "Meal-ticket"!) for many, many others. The ideas of Edison, Dickens, Chopin, Carnegie, Franklin, have been the basis for the fortunes of literally millions of people.

Incidentally, one of the best ways for the musician to stimulate his ability to develop ideas is by reading musical books and the musical periodicals.

Like Electricity, generated by the friction of the revolving brushes in a dynamo, unless you brush your brains against the thoughts of others you are not likely to evolve many novel ideas.

Noms de Plume

WHAT is it in human nature which makes so many musical people incline toward a nom de plume? Sometimes it is modesty—fear that the venture will not be one that will bring credit to an honored name. Many compositions are put out in this spirit—some of them "pot boilers," others compositions of real artistic worth conceived by timid youths afraid to stand for their own works. Sometimes it is due to the fact that the composer is so enormously found in his production that the publisher has to adopt different names in order to find a market for his works. We have known of several instances of this. Another reason is that the family name is not particularly

euphonious, as was probably the case with Robert Franz—who did not like the name of Knauth and had it changed by law, adopting the first name of Schubert and Schumann. Here are some popular noms de plume with which the public may be unfamiliar: Meyerbeer, real name Jacob Beer, changed for family reasons; Palestrina, real name Giovanni Pierluigi, Palestrina was the name of his birthplace; Max Meyer-Obersleben, real name Max Meyer, here the composer adopted the name of his birthplace because the name Max Meyer in certain parts of Saxony and Bavaria is commoner than John Smith; H. Karoly, real name Carl Heins; Dame Melba, real name Nellie Mitchell (later Mrs. Armstrong), named from Melbourne, Australia; F. d'Orso, real name F. Behr; Marcelle Scmhich, real name Marceline Koslanska; Georges Bell, real name F. Behr; Pierre Latour, real name E. Mack; Madame Nordica, real name Lillian Norton; Anton Strelezki, real name Arthur B. Burnand; Mme. Nevada, real name Emma Wixon; Mme. Albani, real name Marie Louise La Jeunesse (debut in Albany, N. Y.); Stephen Essipoff, real name Arthur B. Burnand; E. Dorn, real name J. L. Roedel; Paul Beaumont, real name Sidney Smith; Edgar Thorn, real name Edward Macdowell; Edward German, real name for Edward German Jones; Ivan Caryll, real name Felix Tilkin.

The rumor that the name John Philip Sousa is a pen name derived from John Philipso, U. S. A., is an absurd fiction which Lt. Sousa has been trying to live down for years. Sousa is a well-known Portuguese name; and Lt. Sousa's father was fortunate enough to bring that name with him from Portugal.

"Nine months' hard labor in the Church Choir," this was the sentence imposed by a Pennsylvania Judge upon the "Willie Boy" quartet which persisted in disturbing the peace on the street corners. In some choirs we have known, such a sentence would have been a real disaster.

Organization and Recognition

THAT organization compels recognition is an axiom as old as the world. In music it has worked wonders. We refer, here, almost entirely to the organizations established primarily for the good of the art and not for mercenary aims. As a matter of fact the practical results of such organizations are so much more certain to benefit the art and its workers materially in the long run than the direct efforts of unions that any thinking person will realize this after a little reflection.

Non-commercial agitation for the advantages of music, as carried on by the music clubs of America, has aided in our progress more than any other thing in recent years. We heartily wish that we might devote this whole issue to a great report of the wonderful convention at "Tri-Cities" in June. The immense gathering of delegates and friends in these busy mid-western cities was an inspiration to all who attended. The success of this great organization in recent years has been due to the magnificent altruism of its officers, including Mrs. Frank A. Seiberling, President; Mrs. Emma Roderick Hinkle, First Vice President; Mrs. Frederick W. Abbott, Second Vice President; Mrs. George Houston Davis, Third Vice President, and members of the Executive Committee, such as Mrs. Frances E. Clarke and Mrs. David R. Campbell.

Such gatherings as this, and also the great Thirtieth Anniversary celebration of the P. M. T. A. described elsewhere in this issue, give force and strength to all of the activities of all music workers in our country.

Laughing at Disappointments

If you, as a music student or as a music teacher, expect to win success without trouble, disappointment, discouragements, set-backs and "hard luck" (so-called) you are picturing a kind of phenomenon of Providence which rarely appears in real life.

The trick is to learn to laugh at disappointments.

There are heart-breaking moments in the careers of almost every musician who has ever climbed to Elysian heights. These crises are easily explained. The average person does so little of any moment in life that comparatively few things happen to him. The worker who is pushing onward and upward every day at ten times the tempo of the ordinary man naturally encounters adventures which continually bring him into tight positions.

The singer who has never aspired to be a prima donna is not going to be chagrined if she does not become one. It is the doer who encounters the little accidents of destiny which bring the thing which some people call "trouble."

Fortune Gallo, the director of the highly successful San Carlo Opera Company, which he created out of original resources which would have baffled any ordinary man, says that the secret of his triumph is that he never has any "trouble," that is, he refuses to let regard ordinary disasters as trouble, but as interesting life problems to solve, the very puzzling out of the thing being a most absorbing and entertaining work.

Not until you have learned how to discount your disappointments and discouragements in music can you possibly hope to soar to success.

Music, of all the arts, seems to be crowded with the most disheartening, dispiriting, dejecting and depressing "accidents." If you insist upon looking upon them as such, instead of deals in the most fascinating of games.

If you are down in the dumps and everything is going to the "eternal damnation bow-wow" read the following paragraphs which appeared recently in the American Legion Weekly:

When Abraham Lincoln was a young man he ran for the Legislature of Illinois, and was defeated.

He next entered business, failed, and was seventeen years paying his debts.

He was engaged to a beautiful young woman—she died.

Entering politics again, he ran for Congress, and was again defeated.

He then tried to get an appointment in the United States Land Office, but failed.

He became a candidate for the United States Senate, and was badly beaten.

He ran for vice-president and was once more defeated.

When you think of your hard luck, think of Lincoln.

The Running Start

The average student wastes days, often weeks, in getting started in the Fall work. He complains that he has the vacation spirit and that it is a little too hot for music lessons. His ideal of good weather for music is evidently a blizzard.

Have you ever seen runners at an exciting race with every muscle of the body ready to make the start over the line? Every nerve, every drop of blood is filled with eagerness. This is properly the attitude for every worth-while student at the beginning of the Fall season. The best work is always done after a rest. Don't wait to "warm up," get a running start in the first days of the season.

Let us suppose that the teacher has suggested that you practice so much time, on scales, so much time on Czerny, so much time on your graded course and your pieces. If it is possible double that amount of time during early September and October and we can promise you that your whole year will be at least twenty-five per cent better.

To those of our readers whose issues have been delayed by the wide-spread strike of the printing industry we offer our sincere thanks for their patience and indulgence.

An Optimistic Outlook

We have just made a little survey of musical conditions, as they are likely to be, during the coming season. Although this editorial is written in June the private information that has come to us indicates that next year will be an especially strong year for music. One of the best harbingers of this has been the extraordinary number of "bookings" of artists all over the country. Evidently the local managers are primed with confidence and optimism and confidence in the great public need for splendid optimism and confidence in the really enormous music. Another strong force has been the publicity for music brought forth during the last spring. The public now might be called "music-minded." It accepts music as one of the real needs, feeding the mind and the soul as bread and meat feed the body.

With this in view, those of our readers who are professionals may make plans with the greatest possible confidence. Moreover, those who plan in such a manner need have little fear of anything but success. The negative workers, the people who are deliberate millionaires around the necks of the enthusiasts, must expect to step down—alas, they only too often drag others with them.

Musical sarcasm did not die with Rossini. A young composer recently approached a European man with the request for a criticism upon his manuscripts. "My dear young man," said the master, "your works will be known all over the world, when the works of Beethoven, Chopin and Brahms are forgotten."

Cultivating Your Ideas

MUSICIANS, amateur as well as professional, often retard their own progress by trying to do too much. Have you ever seen a man working a garden just a little bit bigger than a one-man garden ought to be? He fights the weeds valiantly, struggles with the cultivator and battles with the insect enemies. In the end he has not quite so much to show for all his work as if he had taken just a little less ground and done it all just a trifle better.

Itanez, the most discussed writing man in the world today, is proving a master of contemporary humanistic philosophy as well as being a fine creator of fiction. Some time ago in the *New York Times* he endeavored to point out why many authors with a wealth of ideas failed in material success. In the end he has not quite so much to show for all his work as if he had taken just a little less ground and done it all just a trifle better.

Itanez, the most discussed writing man in the world today, is proving a master of contemporary humanistic philosophy as well as being a fine creator of fiction. Some time ago in the *New York Times* he endeavored to point out why many authors with a wealth of ideas failed in material success. In the end he has not quite so much to show for all his work as if he had taken just a little less ground and done it all just a trifle better.

"The imagination of the business man is of limited scope and its distinctive trait is persistence. It reminds one of the heavy artillery pieces which fire a few shots only, but good ones; or of the ancient battering ram, which beat and beat upon the stone in front of it till it knocked a hole through the wall. In writers the imagination works more like a rapid fire gun which covers a lot of ground but with little damage to the landscape. The literary man is always and easily passing from plan to plan, hardly finding one good idea before he leaves it for another that he thinks better. The writer gets his ideas much more rapidly than the man of affairs; but he never realizes any of them. The captain of finance or industry may not have had more than one or two great inspirations his whole life long but one of them at least he has made to square with reality."

If Itanez had written this exclusively for many musicians we know it could not have been written better. Most musicians lack persistence. It takes an enormous amount of tagging after things to accomplish very much in these days. Some of the special features in *THE ETUDE* have been, for instance, the result of years of unremitting effort. One article in particular took four years of correspondence before it could be procured.

First, know that your idea is a good one, whether it be the theme for a new musical composition or an idea for expanding your teaching business. Then know that the time, the soil, is right—then stick to that idea until you have harvested all the fruit that it will bear.



GROUP PHOTOGRAPH SHOWING ABOUT TWO-THIRDS OF THE GREAT GATHERING AT THE THIRTIETH ANNIVERSARY BANQUET OF THE P. M. T. A.

A Momentous Musical Anniversary

P. M. T. A. Celebrates Thirtieth Anniversary of the Inauguration of a Movement Which Has Become Country Wide

EMINENT MEN AND WOMEN PARTICIPATE IN NOTABLE GATHERING
Solicitor General James M. Beck, Hon. Henry Van Dyke, Lt. Com. John Philip Sousa, Mayor J. Hampton Moore, Mrs. Florence Earle Coates, and Dr. Eugene Noble
Joseph Lhévinne Receives Ovation

The Hugh A. Clarke Scholarship Fund, describing the Scholarship raised through the Philadelphia Music Teachers' Association, to be known as the Hugh A. Clarke Scholarship at the University of Pennsylvania. Dr. Warren P. Laird, Dean of the new School of Fine Arts at the University, received the Scholarship with a gracious speech. At the conclusion the President noted that the generosity of the donors had been such that the Scholarship Fund was over-subscribed and it thereby could be possible to present Dr. Clarke in person with a sizeable "love tribute." Dr. Clarke, who is just completing his forty-sixth year with the University, was present and responded with a few heartfelt remarks.

A Poetic Overture

The first address of the evening was made by the well-known poet, Mrs. Florence Earle Coates, concluding with an original poem, written for the occasion: "Mr. Chairman, Ladies and Gentlemen: I can but feel it an especial privilege to be here this evening with all these many honored representatives of the universal art, the art which requires no translator—best beloved by men—the art which most closely unites men of alien lands and interests. In thinking of this art to which all the early years of my life were devoted, an art which I have always greatly loved, many thoughts crowd upon the mind. But with so many distinguished speakers present, I feel that I can say nothing so eloquent as the silence which will give us an opportunity to listen to them; so with this word and one more, I shall take my place again."

DREAM THE GREAT DREAM

*Dream the Great Dream, though you should dream—
you, only.
And friends! follow in the lofty quest,
Though the dream lead you to a desert lonely,
Or drive you, like the tempest, without rest,
Yet, telling upward to the highest altar,
There lay before the gods your gift supreme—
A human heart whose courage did not falter
Though distant as Arceturus shone the Gleam.*

*The Gleam?—Ah, question not if others see it,
Who nor the yearning nor the passion share;
Grieve not if children of the earth decree it—
The earth, itself—their goddess, only fair!
The soul has need of prophet and redeemer,
Her outstretched wings against her prisoning bars,
She waits for truth; and truth is with the dreamer—
Persistent as the myriad light of stars!*

The President then introduced to the audience several distinguished visitors who had come from distant cities. These included Miss E. P. Van Voorhis, former Vice-President of the New York State Music Teachers' Association; Mr. Walsli Lepo, Miss Kate Chittenden, Mr. N. De Vore, and many others.

An Address by the Mayor

This was followed by an address by the Mayor of Philadelphia, Hon. J. Hampton Moore, which was in part:

"I am honored, as the Mayor of Philadelphia, to be seated on the same board with men and women of the type of these. They have made much for good citizenship in the land. If the Mayor were not so intensely practical in these days, compelled to meet adversaries upon every turn of the tide, wondering sometimes whether in his efforts to keep his pledges to the people, he still has the support of those who urged him on—he would like to discuss music. But there is still room about in a great city like this, so much that tends to distract, so much that tends to disrupt, that one may wish to be musical and in harmony, and in step, without always realizing the wish."

A lover of music, one who appreciates its value and significance, he sometimes feels as a public administrator when others may be discouraged, that there is music in the very of the pulse; and so on, in the course of a busy life, when the opportunity comes, he sometimes wishes for the opportunity to mingle with those who love music, who organize music, who love harmony, and who live and preach harmony. What a text it would be for a book or a sermon, or for any one of these distinguished creators at this table, to leave all else behind and discuss the effect of harmony upon our civic life. In the home, we know what it means—the daughter, the son, musically inclined, the resort to the musical instrument, to song, the unifying influence of it all, the beneficent influence of it all, we understand in the home. But if we could teach it in little centers in the public life and have a little more of the spirit of the musician and of a music teacher injected into our public affairs, how different it would be in the economic and in the political sense."

Mrs. Virginia Beck Falmestock, a former President of the P. M. T. A., then gave a brief account of the early struggles of the organization to gain recognition and sustain its ideals.

The President then introduced to the audience several of the distinguished Philadelphians present, including in the number Dr. Hollis Dam, newly appointed Director of Music for the State of Pennsylvania; Mrs. Frances E. Clarke, Director of the Educational Department of the Victor Talking Machine Company and former President of the P. M. T. A.; Mr. John Luther Long, author of *Butterfly*; Mr. Edward Alton, of the Washington Opera Association; Miss Elizabeth Hood Latta, President of the State Federation of Musical Clubs, commenting at the same time upon the fact that the audience looked like a Who's Who in many respects.

The Hugh A. Clarke Testimonial Scholarship. These communications were received with enthusiasm. Mr. James Francis Cooke, Editor of *THE ETUDE*, the President of the P. M. T. A. for nine years, then called upon Mr. Charlton L. Murphy, President of the Musical Alumni of the University of Pennsylvania, to read a letter from Miss Anna Colebury Barrow, Chairman of

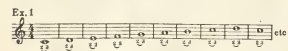
be muscular contraction, relax and the hand will again tip toward the fifth finger side. After repeating this rotary movement a number of times go to the piano position, the following exercise. With the fingers straightened out and the hand turned thumb-side-up and perpendicular to the keys, rest the fifth finger on G and release just enough weight to overbalance the key which, throughout the exercise, should be held down very lightly. Now relax the muscles, when the arm will rotate in the elbow joint, the hand turn to the left and the thumb drop on C, which must not be depressed. After perfect freedom and looseness is attained without sounding the key, add a slight impetus as the forearm rotates and thus depress the key. Still holding G, rotates as before and play D with the second finger, then E with the third, finally F with the fourth. Next, holding down the thumb, play in turn G, F, E, D, the forearm rotating from left to right. It should be clearly understood that this movement is made by a turning of the forearm at the elbow; there must be no finger action at the joint. A full treatment of this rotary principle will be found in the writer's article on "The Rotary Arm Movement" in THE ETUDE for April, 1915. Dr. Mason used this principle in his teaching forty years ago, the basis of it may be found in "The Science of Music," book 4, page 12, though it is not minutely analyzed there. While many here and abroad have claimed its discovery, there is no doubt that Mason antedated them.

After relaxation, the second great principle of technique is controlled arm weight—WEIGHT PLAYING, so called. Weight may be of two kinds—Released Weight, and weight with Added Impetus. Holding a book on the left hand, rest its back upon a key, supporting the book with the right hand so that the key is not depressed. Now release the weight of the book by letting go with the right hand, when its weight will depress the key and a soft tone result. This is an example of released weight. Rest the book on the key again and retain the weight with the right hand, give a push and thus produce a tone, the loudness of which will depend upon the energy with which the impetus is given. This is an example of weight with added impetus. Note that in both cases the weight is in contact with the key, there was no striking the latter. Now rest the hand on the triad C-E-G and relax the arm from the shoulder, releasing just enough weight to overbalance the keys and produce a soft tone. Play softly at first, and afterward try to increase the tone by adding more weight.

When more power is required than can be produced by released weight, an impetus must be added. The best exercise for the study of the added impetus is the rotary movement of the triceps muscle found in Book 1, "Touch and Technique," it is clearly described by Dr. Mason on page 14.

Practical Application

For a practical application of the foregoing principles, take the Two Finger Exercise number one and practice for tone production by released weight as follows: Rest the second finger on C and release its weight from the arm from the shoulder, thus releasing its weight which will depress the key and produce a soft tone. Now, with the arm hanging loosely and heavily from the shoulder, the second finger clinging to C, rest the third finger on D and with a pressure against the key and a slight sliding in of the finger-tip toward the palm of the hand, lift the weight of the arm on D, substitute the second finger for the third, relax the muscles quickly and allow the arm to drop with the second finger clinging to the key. Repeat this process throughout the exercise.



For studying the rotary movement, take the same exercise and practice with the arm in the piano position, the fingers well curved. Rest the second finger on C and release just enough weight to overbalance the key. Now, with the third finger resting on D, rotate the forearm to the right by turning at the elbow joint and at the same instant relax the muscles. If this be properly done, the light weight that is supported on the second finger will be transferred to the third, just as in walking the weight of the body is transferred from one foot to the other. With the hand still tipped toward the right hand side, rest the second finger on D and rotate toward the left; next rest the third on E and rotate to the right, continuing thus through the exercise.



D on the fourth line and back.

For the study of the added impetus and automatic cessation of energy, take the first rhythm of exercise number two. Rest the second finger on C and by an impulse from the triceps, produce a strongly accented tone; the instant it is heard, quickly relax all the muscles of the hand and arm, retaining just enough weight on the fifth finger to keep the key from rising. Next, without increasing the weight on the second finger, straighten out the third, raise it as high as possible without straining and shut all the fingers forcibly into the palm of the hand. The third finger as it is lowered will sweep D and hand. An extreme staccato result. As quickly as possible after the fingers are flexed, relax the muscles and allow the hand to hang loosely on the wrist joint, testing the muscular condition by shaking the arm so that the hand vibrates freely. Every pair of notes in this exercise is to be played in the same way. The finger that takes the first note of each pair should always be in contact with its key—never strike or punch the latter.

How to Get Agility

The secret in the attainment of agility lies in the elimination of down arm force when finger activity, manual or aided by hand force, is required. The second rhythm of exercise number two is extremely valuable in giving this freedom from down bearing. In playing it, the forearm should rise a foot or so above the keys as the finger rises. The exercise should also be played with the whole arm rising from the shoulder till the hand is on a level with the head. From this height the arm should float down—as it were—till the finger and arm

Musical Brain-Storms and Their Results

(In these days when so much attention is being given to the freaks of the mind, the following article, taken from "The Science of Music," by Jules Combarieu, Professor of History of Music at the College of France (D. Appleton and Company), may be of special interest. Suppose you should suddenly be seized with musical aphasia and lose all your recollection of the art which you spent so many years to cultivate.—Etnoff's Note.)

We term aphasia the loss of the functions of the verbal language, and "musical aphasia" the loss of the functions of the musical language. Either one or the other may be total or partial, affecting either the centres of sensorial images (reading) or the centres of images of movement (song, writing, execution). Usually, they may be partial. Here are a few cases I borrow from Dr. Ingegnieros.

1st. A young man, aged twenty-five, accustomed to perform a great deal of music, sat down to the piano one evening. He remained motionless, as if suddenly impotent. He could find nothing to play. It seemed to him "that memory had left his brain." He opened a score. He was no longer able to read it. He tried to whistle, to hum the operatic melodies of his favourite composers, but of no avail. The inhibition was complete. The patient had completely lost the language in all its functions: memory, song, reading and execution. (Total sensorial musical aphasia.)

2nd. A young woman, twenty years of age, had an attack of hysteria; since then, every time she sat down to the piano, she imagined "she was playing on an instrument which she could not perceive." She had no recollection of singing and execution by simple muscular memory, but neither heard what she sang nor what she played. The loss of musical audition was complete as to all instruments and voices. (Partial sensorial musical aphasia.)

3rd. A woman of twenty-two had an excellent ear for music, read perfectly, could also write music, but phonation (musical) and articulation (of the verbal language) were entirely lost. (Partial motor musical aphasia, combined with complete motor aphasia.)

4th. A girl of seventeen, through convulsions brought while still able to read, write, hear, and execute music, but by disappointment in love, lost the faculty of singing. Concurrently, all the functions of the verbal language

dropped lightly on the second note of the pair. The light and fast form, exercise number eight, and the velocity and fast form, exercise number eight, are of ineffectual forms, numbers seventeen and twenty-two, are of ineffectual malleable value of arm force.

The piano playing of to-day is founded upon scientific and musical principles, the application of which to the piano and secure results in much less eliminates guesswork and discards purely mechanical forms and has substituted for them exercises that have a direct musical relation to the message of the piece. The piano playing of to-day is founded upon scientific and musical principles, the application of which to the piano and secure results in much less eliminates guesswork and discards purely mechanical forms and has substituted for them exercises that have a direct musical relation to the message of the piece. The piano playing of to-day is founded upon scientific and musical principles, the application of which to the piano and secure results in much less eliminates guesswork and discards purely mechanical forms and has substituted for them exercises that have a direct musical relation to the message of the piece. The piano playing of to-day is founded upon scientific and musical principles, the application of which to the piano and secure results in much less eliminates guesswork and discards purely mechanical forms and has substituted for them exercises that have a direct musical relation to the message of the piece.

Why Grand Opera is Expensive

"Music in America should be the property of everybody. The talking machines come near making it that, if one judges from the same that come from half the homes at night. But the people want to hear the best music from living performers 'in the flesh.' At the same time, comparatively, very few can pay from two to twenty dollars a seat to hear great opera and great singers. The reason why grand opera costs so much is that the really fine music, with trained opera experience, are very, very few; and, since only a few performances are given a year, the price must be high. It is simply the law of supply and demand."

"There are, in America, two large grand opera companies and half a dozen traveling ones, some of them very excellent. There are probably twenty large symphony orchestras and at least one hundred oratorio societies of size. To say that these bodies and their surveying good music, reach more than five million auditors a year would possibly be a generous figure. But five million is not one twentieth of the population of America. What about the nineteen-twentieths?"

On the other hand, there are in America between two and three thousand good vaudeville and moving picture houses where the best music in some form is heard not once or twice a week for a short season, but several times each day. Some of the moving picture houses have orchestras of thirty-five to eighty men selected from musicians of the finest ability, many of whom have played in some of the greatest orchestras of the world. These orchestras and the talking machines sound more to bring good music to the public than all the larger organizations, if we consider the subject from a standpoint of numbers.

A man took an aversion to piano playing. By degrees all musical, vocal and instrumental, became intolerable to him; at length, however, singing and electric light, which inspired him with an unconquerable irritation, and hearing a military band passed him to faint away. The same was also: hyperaesthesia of a centre of sensorial images, without association of ideas.

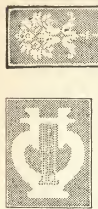
A young woman, of odd tastes, very fond of music, and a fair pianist, divided her repertoire into several groups: red, green, blue, white; she could only perceive sounds when associated with colors. Here is a morbid case of the grosser forms of sensorial aphasia.

These examples, which might be multiplied, have enabled a classification of the diseases of the musical function to be made, and at the same time its different functions to be considered as independent.

The Heyday of Music

By Alfredo Trinchieri

This taste for music reached even to the royal family. Queen Elizabeth was so fond of playing on a small harpsichord that it became known as the virginial, in compliment to her majesty. The queen, however, was to say, her vanities which she characterized her nature as extended to her music as an instrumentalist, and she resorted to many a ruse to elicit compliments from her courtiers.



Vocal Masterpieces for the Masses

An Interview Secured Expressly For THE ETUDE with the Well-Known Grand Opera Basso

By HENRI SCOTT

[Henri Scott was born at Coatesville, Pennsylvania. He was intended for a business career but became interested in music; at first in an amateur way, in Philadelphia. Encouraged by local successes he went to study voice with Oscar Sangner, remaining with him for upwards of eleven years. He was fortunate in making appearances with the "Philadelphia Operatic Society," a remarkable amateur organization giving performances of grand opera on a large scale. With this organization he made his first stage appearances as Ramphis in "Aida," in 1897. He had his passage booked for Europe, where he was assured many fine appearances, when he accidentally met Oscar Hammerstein who engaged him for several seasons. He has sung on tour with the Thomas Orchestra, with Caruso and at many famous festivals. He has appeared with success in over one hundred cities in the United States and Canada. In response to many offers he went into vaudeville where he has sung to hundreds of thousands of Americans, with immense success. Mr. Scott is therefore in a position to speak of this new and interesting phase of bringing musical masterpieces to "the masses."—Editor of THE ETUDE]

he was assured many fine appearances, when he accidentally met Oscar Hammerstein who engaged him for several seasons. He has sung on tour with the Thomas Orchestra, with Caruso and at many famous festivals. He has appeared with success in over one hundred cities in the United States and Canada. In response to many offers he went into vaudeville where he has sung to hundreds of thousands of Americans, with immense success. Mr. Scott is therefore in a position to speak of this new and interesting phase of bringing musical masterpieces to "the masses."—Editor of THE ETUDE]

hundreds of families in fair circumstances who would endure having the most awful chromos upon their walls. These have for the most part entirely disappeared except in the homes of the wealthiest class. It is true that much of our music is pretty raw in the popular field, but even in this it is getting better slowly and surely.

Fortunately these signs have now disappeared as the actors have been so disciplined that they know that a coarse remark would injure them with the management. The vaudeville has taken a far higher basis than mere so-called comic opera. Some acts are paid exceedingly large sums. Sarah Bernhardt received \$700,000 a week; Calve Bispahan, Korian, Carolina White and Marguerite Sylvia, accordingly.

"Dorothy Jordan, Bessie Abbott, Rosa Ponselle, Orville Harold and the recent Indian sensation at the Metropolitan, Chief Camplain, actually had their beginnings in vaudeville. In other words, vaudeville was the stepping stone to grand opera."

Singing for Millions

"Success in this new field depends upon personality as well as art. It also develops personality. It is a place for a 'stick.' The singer must at all times be in human touch with the audience. The lofty individuals who are thinking far more about themselves than about the songs they are singing have no place here. The task is infinitely more difficult than grand opera. It is far more difficult than recital or oratorio singing. There can be no sham, no pose. The songs must please or the audience will let one know it in a second."

"The wear and tear upon the voice is much less than in opera. During the week I sing in all three and one-half hours (not counting rehearsals). When I am singing 'Mephistopheles' in Faust I am in a theater at least six hours—making up alone, rehearsing, and one-half hours. Then time is demanded for rehearsals with the company and with various coaches."

The Art of "Putting It Over"

"Thus the vaudeville singer who is genuinely interested in the progress of his art has ample time to study new songs and new roles. In the jargon of vaudeville, everything is based upon whether the singer is able to 'put the number over.' This is a far more serious matter than one thinks. The audience is made up of the great public—the common people, God bless them. There is here the select gathering of musically cultured people that one finds in Carnegie Hall or the Auditorium. Therefore, in singing music that is admittedly a musical masterpiece, one must select only those works which may be interpreted with a broad human appeal. One is far closer to the masses in vaudeville than in grand opera, because the emotions of the auditors are more responsive. It is intensely gratifying to know that these people want real art. My greatest success has been Liebermann's Indian songs and in recitals from grand opera. Upon one occasion my number was followed by that of a very popular comedienne whose performance was known to be of the farcical, rip-roaring type which vaudeville audiences were supposed to like above all things. It was my pleasure to be recalled, even after the curtain had ascended upon her performance, and be compelled to give another song as an encore. The preference of the vaudeville audience for really good music has been indicative to have the curtain run down upon them during such an act."

HENRI SCOTT

"It in recent years there has been a revolution in the popular taste for vaudeville, B. F. Kieth was the 'Washington' of this movement. He understood the human demand for clean entertainment, with plenty of healthy fun and an artistic background. He knew the public call for the best music and instilled his convictions in his able followers. Mr. Kieth's attitude was responsible for the signs which one formerly saw in the dressing rooms of the best vaudeville theaters which read:

Profanity of any kind, objectionable or suggestive remarks, are forbidden in this theater. Offenders are liable to have the curtain run down upon them during such an act."

A Revolution in Ta te

"The whole character of the entertainments in moving picture and vaudeville theaters has been revolutionized. The buildings are veritable temples of art. The class of the entertainment is constantly improving in response to a demand which the business instincts of the managers cannot fail to recognize. The situation is simply this. The American people, with their wonderful thirst for self-betterment, which has brought about the prodigious access of the educational papers, the schools and the libraries, like to see the beautiful things of art served to them with inspiring amusement. We, as a people, have been becoming more and more refined in our tastes. We want better and better things, not merely in music, but in everything. In my boyhood there were

The Sustaining Pedal and What it Does to Piano Music

By T. D. Williams

"Sometimes the managers are badly mistaken. It is common gossip that a very celebrated opera singer sought a vaudeville engagement and was turned down because of the lack of the musical experience of the manager, and because she was unknown. If he wanted her to-day his figure would have to be several thousand dollars a week.

Excellent Conditions

"The singer who realizes the wonderful artistic opportunities provided in reaching such immense numbers of people, who will understand that he must sing up to the larger humanity rather than thinking that he must sing down to a mob, who will work to do better vocal and interpretive thinking at every successive performance, will lose nothing by singing in vaudeville and may gain an army of friends and admirers he could not otherwise possibly acquire."

By Aldo Bellini

www.elsevier.com/locate/jmb

WHEN Sir Francis Drake fitted out his expedition which was to encircle the globe, in 1577, among the crew of his little ship, he made room for several musicians. In the style of the aristocracy of the time, the thoughtless explorer always had a woman at the table. In this case, it was a Spanish officer, a prisoner on the vessel, though he was "the Dragon" (as Drake was known in that country) "always dined and supped to the music of violins."

Wherever they landed, the music of Drake and his men was always a source of great wonder and amusement to the native savages. In his story of the voyage, the chaplain of the crew tells how a king with his court and council came out in a canoe to greet the English. The king, charmed by the music that he asked that the musicians should play, might ride in his canoe and, while it was towed along, he was "in a musical paradise."

So much for the pedal when properly managed, but there is another side to the pedal question which, on account of its disastrous results, is more important. More important because (I believe I am safe in saying, without

The Pianist's Vitality

By George Henry Howard

gain it? Through hygienic living. Regard for the law of health forms one source of capital for the pianist. He needs the best food, in moderate quantities. Also, he needs the purest air, the best drinks—water and milk.

Keeping up Interest in Your Music Club

By Mrs. Levi Clark

WHILE most teachers admit the value of music clubs to their pupils, many are inclined to shirk this part of the work on account of the necessary planning and trouble involved. This is really inexcusable laziness, and one will only make a beginning, he will be amply repaid both in the size of his class and in the quality of his students' work. Some of the following suggestions may prove helpful:

3. The first part of the evening should consist of short, well-prepared musical program, and provides stimulus for thorough preparation of solos. This splendid training for future public appearances, as the worst cases of nervousness usually improve after a few times. This means much of the student's later enjoyment in his work.

The writer has no intention of underestimating, before intelligent musicians, the value of the sustaining pedal. It is indispensable to tone production; but while this is true, we must remember it makes a piano sing, and also that it can make a piano sing several different tunes.

the same time, which is anything but desirable. Use freely, but be sure before doing so that your piano is not singing one tune while you are trying to play another.

the pure fruit juice—not alcohol

The pianist needs time to eat deliberately, for on this depends good digestion. He needs sleep, regular and plenty of it. Undisturbed sleep is the greatest of nerve tonics. He needs healthful recreation, at least one hour of each day. It should be of a nature to take his mind absolutely away from his musical thoughts. Through these he will sustain that abounding vitality which is necessary to the pianist.

By the Well-Known Piano Virtuoso and Teacher

CECILE DE HORVATH

Practical Keyboard Hints for Students and Teachers

(The first section of this article appeared in *THE ETUDE* for July)

He would insist:
"You must not play merely for the people in the parquet. The people in the topmost gallery, who have paid 50 cents to hear you, are just as well entitled to the full benefit of your music; and you must learn how to play for them as well."

Sometimes he would say:
 "That wouldn't carry beyond the first six rows!"
 He always had the audience in mind, and he never allowed
 us to forget it.

[illegible]

A very light, agile wrist will give great size to a tiny hand, by admitting stretches and jumps with the same facility as that attained by the large hands. The only difference is a wee bit more motion of the wrist. The last movement of the Scriabine *Sonata Phantasy* would be unplayable for a small hand, on account of the immense intervals taken at lightning speed, unless the wrist is extremely light and flexible, the acquisition of a light wrist, however, makes it perfectly easy even for the smallest hand. For skips and jumps, the wrist should be held high. Study your own hands and if you find

"No teacher alone can really *make* any one play. He can only indicate and the pupil has to collaborate in order to attain the best results."

Some excellent pianists have runs of beautiful quality and a good singing tone, but as soon as they strike a fortissimo chord you shiver! It is like a painting where the colors are beautifully harmonized with the exception of a great splash of crude color. The entire effect

beauty is spoiled of course. There may be one or two pianists who have achieved greatness in spite of a hard fortissimo, but they have become famous in spite of this fault, not because of it. It is also surprising to see the number of pianists whose brilliant passage work lacks quality. With the majority, quality is entirely confined to the softer shades. A fortissimo chord can really be just as beautiful in sound as the most delicate singing tone. It may have limitless depth. Gabrilowitsch says that "the piano will treat you just as you treat it; if you strike or hit the piano it will hit you back."

Pounding, banging, striking, all this produces bad color and bad quality. It not only gives a bad impression of effort but also has the unfortunate effect of not carrying over in a concert hall. When you strike a chord the vibrations stop instantly; and whatever sound does reach the audience is unpleasantly noisy. The hand should be close to or near the chord and the arm should be perfectly loose at the time. The weight should come from the muscles back of the shoulders. After the chord is played the hand is instantly removed so that the vibration carries that kind of chord playing produces twice as much volume, and the sound is always beautiful. Ha-

you ever heard pianists who made an enormous racket in a small room, whose playing nearly deafened you there, and have you noticed how far from big their playing sounded in a large concert hall? It may be noisy, but it is never big.

Strength and Command

In order to produce a beautiful big sonorous tone, always luscious, fully and resonant, one must develop strength and perfect command of the muscles of the arms, hands, shoulders and fingers and absolute muscular independence also. A pianist cannot acquire any great variety of coloring without this complete muscular control.

A splendid way to develop strength in the fingers is to practice on a seat so low that it brings the arm below the level of the keyboard. The fingers are very much curved and all the knuckles very high. The wrist is extremely low, in order that the fingers may be without its extra aid and reinforcement, while the thumb is held in the wrist held high. The fingers are firmly balanced upon the keys, the arm loose from the shoulders. The whole effect is that of a skirt hanging from a nail. The weight of the shoulder is directed to the fingertips and the fingers are doing no work so much weight, the fingers become very strong. In playing the hands should be either on a level or slightly above the keyboard in order to give one a corresponding command, and consequently the seat must be correspondingly higher.

[illegible]

one a minute, you remember how effective Paderewski and Sara Bernhardt make their climaxes? They both use the same artistic methods. With real restraint and repose, they do not excite you in the beginning. They gradually and naturally work up to a thrilling climax, when they finally let themselves go with overpowering effect. How much more exciting that is than a constant use of fortissimo emotionalism which carries so many numbers and allows no clear intervals for the brilliant effects and the superb, superb, dazzling, in their place, but should be treated cautiously. It is only the genuine climax which is so effective and amazes and you cannot do better than follow the examples of such experienced artists as Paderewski and Sara Bernhardt in this particular.

The more we listen to our own playing the more critical we become. We really should be more critical of our own playing than of anyone else's. It is only then that strides can be made. No improvement is possible if we arrive at a point which satisfies us. After every concert appearance a young pianist should be chiefly concerned in improving his playing to such an extent that his next concert appearance will be still better. Above all don't listen to your friends and personal admirers. Too much praise can be a deadly poison. Gabilowitz's friends. We

never cease to warn us against our friends. But some should all be our own most severe critics. But some good pianists are still unconscious of quality. One of the best known among the younger pianists was severely criticizing a great artist's performance of a Brahms's *Rhapsody* because he had struck some wrong notes in his temperamental ardor. "Why, I can play a great deal better!" he said, and sat down to show me. He never really listened to his own playing and there was no real quality in his performance, although it was a perfection of technical accuracy. To him technical accuracy constituted the principal virtue in piano play-

ing. Of course, it could not be compared with the great artist's villainous performance. Since this young pianist has not even trained his ears to detect superior quality in a great artist's playing, he has consequently stopped that far short of being an artist himself. You will note, by way of parenthesis, that I am using the word artists in its highest sense.

Unprecedented Competition

In these days of unprecedented competition in the pianistic world, it is absolutely necessary for a pianist to excel in the art of tone coloring and to discover as many new sounds as he possibly can, that field is open to everyone. I read a very remarkable article in the Boston Transcript not long ago which dealt with this very subject. It was called "The New Sounds," and spoke of the necessity of both pianists and singers cultivating a greater variety of vocal effects. "Not less than to every man a new technique is demanded nowadays," when "even the younger pianists," according to Philip Hale, "have virtuosity which alone would have brought them fame and fortune thirty years ago," and even in the case of a superhuman technique, that alone would carry a pianist far. Every good pianist has technique, and it is simply taken for granted. Mechanical dexterity is the most common possession of a pianist. The piano playing machines can surpass any human being in mere mechanical dexterity. Concert audiences want to hear something that they cannot buy in the form of piano-player records. The only possible chance for a pianist to win recognition in these days is for him to delve into the less developed regions and acquire a distinctive individuality of coloring and mood. You must stand out in some respects. To conclude with the words of the late E. T. Flat major concerto stunningly, how many can make anything artistically beautiful out of the Chopin *Prelude*, for instance, or Schumann's *Kinder Scenen*? The ideal artist should excel in both styles. It is necessary to cultivate one's imagination, one's poetic sensitiveness. The programs of most piano recitals admit of a wide variety of styles, and one must be able to make each group interesting. The Beethoven, Bach, and Mozart should be widely different from the Schumann and Chopin, and the moderns should have a yet different flavor.

Most music students are very naturally and rightly interested in how things are done, in technical details. On the other hand, the great general public outside goes on to concern itself with the results. People are not so interested in how effects are obtained as in how the music affects them. So in your student seat, all you need to know is to play. You need not know the point of view of the public. If you cannot charm and interest with your playing, all your study and acquisitions will go for naught.

In regard to playing in public, one must not only enter into the music with warm absorption but must have the ability to project one's mood across the stage to the audience. "Putting it over," the managers call it. Play should consequently be both subjective and objective. The possession of quality and perfect repose makes it possible for one to do this. After all music must primarily give pleasure and one must play always with that object in mind.

It is a far greater achievement to play a small thing with truly artistic quality than to play something big in an amateurish fashion. Your ideals cannot possibly be too high. If you have once perfectly mastered every measure and phrase of a little thing the big things will succumb to you in time. For you will have made yourself master of the fine art of the piano-quality!

Look Up!

By George Henry Howard

OUT of the worst storm or the most evil-smelling locust may grow the most beautiful bloom. Out of the most discouraging, even heart-breaking, conditions in musical life may grow many noble experiences and splendid achievements. Then let us realize that the hour of discouraged feeling is an hour for careful, purposeful thought, planning and action.

In a recently published poem John Lane Sinclair has finely said:

"Too soon it is to know the loss or gain,
Or if thy talent has been wisely spent;
Though here thou seem to fail, the vast extent
Of long eternity may scarce contain
The recompense of all thine earthly pain.
The great result of thee accomplishment."

Then wait, earnest teacher. Plan, work and adapt yourself to your surroundings with never-failing hope.

Don'ts for Scale Playing

By Maude H. Wimpenny

Don't slight the Scale of C. It sums up most of the difficulties of scale playing. Keep it as your guide, and master it thoroughly. The first essential of scale mastery is that the ears be trained to recognize the intervals so that they will detect any false notes. With this done, the meaning and theory of the Major Scale are easily taught. A quick way to teach the Major Scales is to train the pupil, when ascending, to use two whole-steps then a half-step; then use three whole steps followed by a half-step. In descending, have the pupil use a half-step, then three whole-steps in succession; then another half-step followed by two whole-steps. Beginners are often inclined to place the thumb of the left hand on F at the same time that the right hand does. Concentration on the left hand fingering, allowing the right hand to care for itself, usually will correct this fault. The right hand through its more frequent use in daily doings, acts subconsciously more readily than the left one.

Don't be discouraged if the left hand lags. Overcoming this is but another trophy at your belt. When tempted to be impatient, consider that all well-directed effort brings its own reward. No finger ever is skipped in a scale. Always they are used in regular order. The thumb must pass over or under others, but this is not skipping as going from 2 to 4 would be.

Don't fail to master the scale of E-flat. No other major scale seems so liable to "trick" the fingers into a wrong position. Notice how the third and fourth fingers of the two hands alternate on the E-flat and E-flat, and on the A-flat and A-flat.

Don't fall into "Hit-or-Miss" practice, if you wish to become certain of your scales. Not playing, but studying, brings about finished work. Heed Paderewski's words, "Scales and scales in all varieties and in different rhythms are the chief assets toward acquiring a good technique."

The Bug-Bear of Dotted Notes

By S. M. A.

The advent of the dotted note into the life of the little beginner, was a bug-bear to me, until I tried the following plan.

On a sheet of white cardboard, I placed two vertical rows of colored notes.

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

(blue)

(yellow)

(orange)

(green)

(red)

comprehend the *immediately new*, will desire in vain. You never can educate the entire public in that sense. You can only familiarize it with new things; and, as soon as it becomes familiarized, then those things, can, strictly speaking, no longer be termed new. Of course, would-be reformers may wish to alter people's temperaments; but these again will wish in vain, for persons do not want to have their temperaments, musical or otherwise, altered. They say, "I have my Bach and my Beethoven and these suffice me—I want nothing better." Quite so—and at that we must leave it and the would-be reformer would never want to be left at it as that.

How Much Shall We Do for Our Pupils?

By Lorene Martin

WHERE all due regard for those holding differing opinions, most of us would be wise in doing more rather than less for our pupils.

In the matter of prolonging lessons beyond their regular period, we may recall that Theodor Leschetzky has said: "A successful teacher is not too watchful of the clock—a lesson should be considered *over a lesson* than as a definite, paid-for period, and can seldom be accomplished within a strict time limit." After all, pupil is buying, not time, but instruction. This does not mean that the teacher should discard his time-piece. But it is not only possible but profitable to have an interval of ten or fifteen minutes between lessons. Then a few extra minutes may be added to any lesson without interfering with the normal pace of the pupil. Not every lesson will require this additional time, and the brief periods thus left open will be beneficial as breathing-spaces for the teacher.

The teacher of fewer pupils is able to devote more time to each one of them. No lesson, however, should be prolonged to the point of fatigue of either pupil or teacher. In fact, when lessons require considerable concentration of thought and effort, it is sometimes best to bring them to a close even before the time has expired. To stop while the pupil is at the height of enthusiasm is the surest means of having an interested pupil return for the next lesson.

It is undoubtedly true that human beings seldom appreciate what they do not pay for. But when students learn to think of their lessons as lessons and not as periods of time, they will not mind even if, for good reasons, some lessons occupy slightly less than the allotted time. And when teachers learn to consider lessons in the same light, they will give better lessons.

Lessons should in no way be indefinite nor their length governed by the teacher's impulse. Indeed, in any work which requires the expenditure of so much nervous energy as music teaching, the very necessity for the most business-like methods. Lessons should be carefully planned and instruction imparted in the most concise and definite manner. To learn to give of one's self freely without draining one's vitality—that is the task of every teacher.

To do the pupil's thinking for him, to do unnecessary talking, is sheer waste of vitality; while to establish social relations with ungoverned, or even cunning, pupils, merely because they are pupils, is folly. There are always underserving and untalented pupils, on whom almost all effort seems wasted. While the careful teacher will give these their full due, he will also direct his efforts where he will be most effective. In no case should he be dominated by a merely sentimental idea of devotion to duty.

On the whole, however, it is surely better to err on the side of doing too much than too little. Disappointment over an unappreciative pupil will then be offset by the knowledge of having done one's best. All of us are men and women first and teachers second. In every profession the best and most successful work is done by those who measure life in service.

Don't Try to Fool the Pupil

By Ada Mae Hoffack

THE teacher who, in her effort to make scales and exercises interesting, tries to fool the pupil by saying that they are interesting makes a very silly mistake. Indeed, don't tell the pupil that they are interesting, but make it a point to play the scales in such a fascinating way that the pupil will want to learn how to do it. By raising his curiosity you can show how valuable all scale study is in helping the student to progress rapidly. Tell him that scales are like going down in the subway in a big city in order to get to the beautiful park nearby rapidly.

Efficiencies which Attract Success in Music Teaching

Mac-Aileen Erb

When a teacher accepts a pupil a great responsibility is assumed. In many cases a pupil's musical opportunities are limited by moderate means or force of circumstances. It is certainly due them that the value of every dollar paid out should be returned in efficient instruction. Then, too, the pupil placed under a teacher's care may prove to be one of extraordinary talent. To be entrusted with a talent to cultivate and develop is a serious matter.

The time will come when your pupils one by one will leave you. While under your influence you have made upon the musical part of their lives an indelible impression; is it one to your credit or discredit? In after years will someone say about YOU—"I studied piano for five years, but did not seem to arrive anywhere—guess my teacher was a poor one!" When you shake hands with a pupil for the last time, you should feel able to look that pupil frankly in the eyes with knowledge, that, whether he responded or not, you have given him of your very best.

A teacher must be "fit" for the work, both mentally and physically. The necessity for mental equipment and training is recognized; but the physical adaptability and requirements of a teacher are too often disregarded. A teacher, no matter how well trained, simply cannot exert the most beneficial influence over the pupil if she is not physically suited to the work.

Cultivate Patience

No one should attempt to enter the teaching profession unless he has a sincere love for the art of teaching and an inexhaustible supply of patience. Artistic temperament is too often the excuse for ill-controlled temper. The effect of nervous, irritable teacher is a veritable poison gas, which can kill a child's love for music in a very short time.

One who would teach must school his esthetic ear to receive the discordant shocks without flinching. Do not let the mistake you hear record a line of imitation on your face—for, never doubt it, it will stay there. In time your face will be marked by unbreakable lines which repeat instead of attract. So, instead of getting tense and all "keyed up" in the course of a lesson, sit back in your chair and RELAX. Practice smiling within your self. Disciplinary measures may be necessary for the good of the pupil, but never administer just because you are angry and disgusted. Correct him firmly, but keep "smiling within"; do not feel abused and down on the whole world on account of one pupil's dullness or inattention.

A thousand and one trifling but annoying circumstances are bound to occur during the teaching season, but form the basis of optimism. By the time another year has rolled by, you will doubtless have forgotten the incident, so why worry about it now?

Conserve Energy

In addition to cultivating patience and optimism, learn to conserve energy. Saved in one place, it may be used

From a Young Teacher's Note Book

By Maud M. Batten

The names "Game" and "Puzzle" always appeal to the child mind; so we will call our first idea "Puzzle Word Game."

The first letters of words learned in the elementary stage are written out and the children are asked to fill in the others.

Thus,

T - - - - - (Treble)
M - - - - - (Measure)

One Minute with Von Weber

MUSIC is love itself. Art has no fatherland.

To be a true artist, one must be a true man. It is not the feelings alone all that are affected by music. Whenever music attempts to be more than the language of passion, it goes out of its depth, and of necessity fails.

Music is love to man, music is to the arts and to mankind. Music is love itself—it is the purest, most ethereal language of passion.

to advantage on something far more important. This can be done in countless ways; for example, eliminate counting aloud with the pupil, nodding your head or tapping your foot in time to the music, etc.

It is much energy and trouble by being thorough with your beginners. Do not allow them to form careless habits and there will be no ghosts to stalk about and disturb your peace two or three years later.

Never Feel Hurried

If you go to the pupil's homes for lessons, allow yourself plenty of time so that you need not hurry. To feel constantly hurried is a strain and it is impossible to do justice to a lesson when in that condition. Should you receive your pupils at a studio, take advantage of the vacant periods for rest or a leisurely stroll in the fresh air. You have sold your time and services to your patrons and it is your duty to them, as well as to yourself, to keep in excellent teaching trim.

Some teachers are inclined to give overtime. To avoid this is a way to gain added efficiency, for the extra time you may have could be better employed for your own recreation, exercise or study; all of which would make you a more valuable teacher. Moreover, extra time is highly appreciated by the average pupil. Short, concise, helpful, enthusiastic lessons are as essential as are breathers which are wide-awake and to the point. For example, I have a pupil exclaim at the end of the lesson, "Oh, am I through already? I've been so interested that the time has passed quickly!" At the outset, tell him you will work with full surplusage. "My lesson has been longer than usual to-day, hasn't it?"

Build up a Class of Earnest Students

If you have triflers or laggards in your class, get rid of them. They are only wasting their parents' money and your time, and what is worse, spoiling your disposition. Such pupils are never adventuresome for a teacher, and their influence may prove harmful. Have an understanding with pupils and parents at the outset, that you will not continue to teach pupils whose work falls below the standard. By charging more for your lessons, you will attract only the more serious ones and you will not have to overwork yourself with an overly large number in order to earn a comfortable income. As your reputation as a teacher grows, you can well afford to retain only those pupils who are a source of pleasure to you. Your art is a very beautiful one, so try not to lose the poetry of it even in teaching.

Always greet a pupil with a sunny smile and a hearty handshake. Let him feel that his lesson has been pleasantly anticipated throughout the week. A magnetic personality, a wonderful asset to a teacher. Under the tutelage of such a character, a student will respond in the most gratifying manner. By never failing to be of help and inspiration to those with whom you come in contact, you will build a lasting monument to yourself in each pupil's heart.

In this we make three gains, in spelling, pronunciation and definition. Another "Game" is to ask the pupils to count while the teacher plays something short. Thus the pupil learns that notes really play fitted to the counts and not the counts to the notes.

To teach the position of sharps and flats on the keyboard, pieces of cardboard made to fit the keyboard, with the notes drawn on both Treble and Bass clefs, are used.

The *Tempo* is not to be like the mill-wheel, stopping and propelling the mechanism to play rather than like the pulse of the human body. There is no "Slow Movement" in which certain passages do not require an acceleration of time so as to prevent dragging. Nor is there a "Presto" in which we do not require a slower tempo in passages whose effect would be marred by too much hurry. But let no one imagine that he is justified in indulging in that foolish mannerism which arbitrarily distorts certain measures.



We are the music-makers,
And we are the dreamers of dreams,
Wandering by lone sea-breakers,
And sitting by desolate streams;
World-losers and world-forsakers,
On whom the pale moon gleams;
Yet we are the movers and shakers
Of the world forever, it seems.

GABRIEL WITTSCH recently became an American citizen; Granger became an American when we entered the Civil War. Galli-Curci took out her papers before she married Henry Samuels, her talented American composer husband; Godowsky, who only a few years ago was wearing the uniform of the Austrian court officer as director of the Meisterschule, is now an American, as are Hofmann and many other musicians of the front rank born in other countries.

Moreover, the Recorder finds from many conversations with such artists that mere expediency plays a very small part in their adoption of American citizenship.

Steamship tickets to other parts of the world are comparatively cheap. It is the spirit of Artistic Latitude which has made America the homeland of these men seeking the best opportunity for the development of their artistic ideals.

The Recorder had the pleasure of meeting Dr. Eugene Noble, Secretary of the New Juillard Musical Foundation, at the great dinner of the P. M. T. A. in Philadelphia in May. Dr. Noble was born in Brooklyn, fifty-six years ago, and was educated for the ministry, being ordained as a Methodist clergyman in 1892. He shortly, however, entered the educational field and became the head of several institutions, among them Goucher College of Baltimore, and Dickinson College of Carlisle. At different times he has been the Superintendent of the famous Seney Hospital in Brooklyn. With this varied experience and some acquaintance with music, he entered the work of the great philanthropy of the Ohio-born cloth merchant and capitalist, who during his life took such a keen interest in musical affairs in New York that he gave an immense fortune to musical education.

While the policies of the directors of the Foundation have not, so far as we know, been definitely determined, the introduction of a man of the type of Dr. Noble in the musical life of America must be of very great value. His bearing, his keen, interesting countenance and his vigorous physical condition indicate what we may expect from this great Foundation under his executive supervision. Incidentally, he was delighted, even surprised with the distinguished character of the Music Teachers' Dinner in Philadelphia, and I understand wrote one of the officers that he never before had had such a high respect for the profession of music teaching as he had at that moment. Really the occasion was one of which any group of educators, statesmen, bankers, merchants, doctors or lawyers might have been proud.

Percy Grainger, who, by the way, has just bought a beautiful home at White Plains, New York, tells a highly amusing story about a London Composer whom we shall not name. Grainger, of the golden curls and golden music, had just been furnished with a player-piano roll which a London company had made of one of his compositions. A celebrated British composer was scheduled for tea. Grainger with his natural exuberance took a trick upon him. He thereupon played the roll backwards upon the player-piano, intimating that it was the latest of Schoenberg. The composer listened

With wonderful delicate ditties
We build up the world's great cities,
And out of a fabulous story
We fashion an empire's glory;
One man with a dream, at pleasure,
Shall go forth and conquer a crown;
And three with a new song's measure
Can trample an empire down.

By THE RECORDER

attentively and then asked to have it again, finally remarking that, while he could not quite comprehend it, there was nevertheless a charm which made it very delightful music indeed. It worked so well that Grainger then tried it on Cyril Scott. Scott, however, was not at all fooled. He exclaimed, "Oh, I say, Percy—really you can't expect to conceal your 'Molly on the Shore,' by playing it the wrong way."

Einstein, the proponent of the theory of relativity, which has all the transparency of a beautiful fog to nine-tenths of mankind, including the Recorder, has enjoyed the unique experience of visiting America, being dined (hardly winned) and feted on all hands as well as adequately decreed by Universities wherever he would consent to light long enough. Meanwhile the papers have all been frantically trying to tell the public why there should be four dimensions and not forty. Mme. Curie's Radium was a perfectly understandable, photographable thing; but "Relativity" is—It appears that Einstein is not only an amateur musician but an extremely fine amateur. Harold Bauer told the Recorder a while ago that he was invited to spend the evening with Einstein. They did not talk music but they made music. They played together the B Flat Sonata of Mozart. Mr. Bauer, while admitting that Einstein was in no sense the virtuoso, that he has been represented as being, declares that he did play with Einstein, that he had sufficient technique and acquired himself in a manner which delighted everyone.

By the way, Bauer, through a misunderstanding with his management, found himself confronted with a contract to play in a Pittsburgh department store. Finding no way to get out of it, he took a sportsman's chance and went to the smoky city. His first number was the *Appassionata* of Beethoven. Immediately a six months' old auditor started in to improvise an obligato of squalls. As the strains of Beethoven went on the strains of the infant increased. Mr. Bauer stuck it out to the end of the piece, then rushed out to the anteroom, threw his check at the feet of the manager of the store, exhausted his vocabulary of expletives and departed in a storm of rage. The Recorder decides this action in favor of Mr. Bauer and fines the store for inflicting cruel doses of Beethoven upon an unsuspecting infant.

A musical inventory of the State of Maine during the summer months would be interesting. Possibly many celebrated musicians spend their vacations there than in any other part of the world, unless we except that famous European spot, Berchtesgaden, or Riviera.

Lieurance, whose charming Indian music is now known around the world, really wrote very little. He says, "Why should I write unless I have an idea worth perpetuating? There are almost endless Indian tunes that may be adapted. The manner in which they are adapted is everything." When he first played the famous "By the Shores of Minnetonka" for the Recorder, he expatiated long upon the beautiful Indian theme. Yet everyone knows that the theme, beautiful as it is,

We, in the ages lying
In the buried past of the earth,
Built Nineveh with our singing
And Babel itself with our mirth;
And o'erthrew them with prophesying
To the old of the new world's worth;
For each age is a dream that is dying,
Or one that is coming to birth.

—ARTHUR O'SHAUGHNESSY.

is only a small part of the charm of the composition. It is the exquisite setting which Lieurance gave it which has been responsible for the success of the song. Incidentally, Lieurance has been obliged to find a larger and larger outlet for his talents and energies. This has taken the form of training and managing a great number of chautauqua and lyceum companies put out under the supervision of the University of Nebraska. At this he is a real master. All of his musical companies have been pronounced successes from the start, and he has scores of people on the road for long tours. He divides what the American public wants for its musical diet and gives it to them in easily assimilated form and without waste.

How things do change! Just look over the list of artists teaching in American Summer Schools of Music in all parts of the country. While we have had Summer Normals in all parts of the country for years, (Mr. Presser had one at the University of Pennsylvania with Mason, Matthews, Bowman, Elson, Root, Sherwood, as long ago as 1893) the modern movement has largely to the study habits started at Chautauqua, N. Y., and other similar Summer Schools. There the late William Sherwood started a memorable work, being carried on by Ernest Hutchison. The borders of American students, who only a few years ago flocked to Europe to eminent teachers, may now find the same teachers in the neighboring metropolis. Most of the Summer Schools take a pride in doing just so much and no more. This is fortunate, because if any more were crammed into the course the standards of American scholarship in music would be reduced to a farcical level.

If "the pen is mightier than the sword," the fiddle is mightier than the fight. Fritz Kreisler, six years ago an Austrian officer, returned to America wounded and sick, with the very worst possible chance of regaining his former popularity. The public was so prejudiced that in some places riots were threatened if he appeared. However, by dint of his great art, his charming and patient personality, and the fact that the people realized that he was compelled by circumstances to play the role of patriot to his native land, he gradually has won back his former position. In London, where he has just appeared, he received the greatest artistic ovation of any artist in years. The very fact that the matter is that there is only one Kreisler and the music-loving world does not purpose to try to do without him—war or no war.

Music Week in Denver, like Music Week in New York, was a great success. Blanche Dingley Mathews, the gifted widow of the late W. S. B. Mathews, had, we understand, a big hand in it. The *Rocky Mountain News* and the *Denver Times* issued musical supplements of eight pages which were really masterpieces of newspaper literature. These papers also mailed five thousand circulars to all parts of the United States, telling all sorts of folk about the musical doings of Denver. The Recorder has been amazed at the musical activity of newspapers in all parts of the United States. One of the foremost factors in the spread of the idea of making

Mental Laziness

By Elizabeth A. Gest

SOME people, when they cannot memorize something in about two minutes time, bemoan the fact that they are stupid. Sometimes, if they make the same mistake twice in succession, they blame it on the fact that they are stupid. And sometimes, if they are corrected for the same bad habit twice by their teachers, they are told that they are stupid.

Once upon a time a little girl was told by her teacher that she was stupid. In fact, she was so slow and over again, until all of her spirit was (deserved and she assumed the "don't-care" attitude towards her music studies, and thought to herself, "Oh, I cannot learn this; I am too stupid; so what is the use of trying!"

That teacher should have been told how that she was stupid, because she was not; but she was something even more inexcusable!

When one makes careless mistakes over and over again, it is not a sign of stupidity; when one cannot memorize something in two minutes, it is not a sign of stupidity; when one has to be corrected repeatedly for bad habits, it is not a sign of stupidity. But, do you know what it is a sign of? It is a sign that that person is mentally and musically lazy! The mind is too lazy to concentrate on what it is doing; the mind is too lazy to make the effort to memorize quickly; it is too lazy to exert itself to control the fingers; too lazy to remember what the mistake was and avoid it.

Never let your mind grow lazy; and be sure to take every measure to prevent it from becoming so.

You may think that if you are not lazy, your mind is not lazy; but that does not necessarily follow.

Some people have lazy minds, although they are not lazy otherwise; and some people are lazy otherwise, yet have very active minds.

Do not let that happen to you. Give your mind plenty of exercise. Memorizing is a very good one, and writing out your scales, etc., on paper, (away from the piano) is a very good one.

Thinking your pieces away from the piano is good, and forcing yourself to do difficult things when you do not feel inclined to take the trouble is splendid.

You may have some special way of your own to prevent mental laziness from developing, and if you have, let your remedy regularly. Watch yourself carefully and see if you find any signs of this bad habit and if so "rub in" the preventative at once.

The Fault-finding Habit

By Ada Mae Hoffack

WHY not change the fault-finding habit, if you have it, to the good-finding habit? Music Teachers have a great deal of criticism to do as a natural part of their work and it is the easiest thing in the world to let this develop into deliberate fault-finding. When criticisms have to be made, make them positively but entirely without any suggestion of fault-finding, sarcasm, superiority, scorn. This is simply good pedagogy. The music teacher is teaching something which has to be very exact in three ways:

- the position of the notes
- the time of the notes
- the quality of the tone.

He also teaches something which makes the mind and the fingers progress at a rate of speed higher than in any other study. Naturally there is opportunity to criticize every few seconds, but the wise music teacher so controls these criticisms that they bear the constructive character of optimistic advice and not destructive fault-finding.

Conducting Without Scores

By Walter Stumoff

WHAT many people believe to be an amazing accomplishment of the present age, the custom of conducting without score, as Stokowski, Weingartner, Toscanini and others do, is by no means a new idea. You Bilko, who had a marvelous memory, used a score most of the time, but a story is told of Mendelssohn which indicates that he knew many of the important scores by heart. At the time of the revival of Bach's *Passion* music someone happened to look upon the conductor's desk at the copy of the scores. Instead of Bach he found an entirely different work. Fearing, however, that the orchestra and chorus might lose confidence, Mendelssohn turned over each page as he came to it.

Can I Become a Good Sight Reader?

By T. L. Rickaby

SIGHT-READING is partly a natural gift, but it may be acquired to some extent or at least improved. The lack of the pupil's reading ability is often due largely to the neglect on the teacher's part to provide sufficient (and correct) instruction in this particular phase of musical work. In the first place, no one instruction book contains enough elementary material. Whatever book is used at the beginning should be supplemented by work from other books of easy studies and reading exercises. Take any instruction book on the market, and it will be found that after a few pages of strictly elementary work, the studies and exercises increase in difficulty with a most disconcerting suddenness, often presenting problems that are to be coped with only after much keyboard work has been done.

Further, pupils do not write enough music during the first lessons. Manuscript books are cheap enough, and every beginner should fill two or three of them. We hear a great deal about ear-training, but very little, if any, about eye-training, which is just as important. It might be said that, while it is perhaps necessary that the names of the notes be known, it must not be forgotten that the ability to name a note is secondary to being able to locate it on the keyboard. In a sense, if a pupil, seeing a printed note knows exactly where it is on the piano, it is not absolutely necessary that he knows whether it is "A" or "B" or "C" or "D." A note merely represents a tone which is to be produced by striking a particular key.

Get the Group-reading Idea

It never seems to occur to some ordinarily bright people that music may be read like ordinary print in the sense that we read in groups of printed letters, and not in individual letters. The student who must laboriously spell out every chord, and note will never be a good sight reader. One very good plan is to take a piece of blank paper and cover a few measures of new music with it. Tell him that you are going to remove the paper while you count eight. When he can see the measure he is to make a mental impression of every note he sees, reading them by groups or "chunks" as they might be called. Then expose other measures, gradually reducing the period of exposure, and increasing the difficulty of the music.

The sight-reading eye is very much like the extremely rapid lens of the moving picture camera. It grasps an impression, records it, and then grasps another. Whether you are a good sight reader or not depends upon how rapidly and how accurately your eye can photograph continuously changing groups of notes. The process we have outlined may seem a laborious one, but if a teacher really and honestly cares to make a good sight reader of a pupil, he will spare neither pains or trouble to reach the desired end.

As has been suggested, sight-reading requires a great deal of supplementary material. There are numerous cheap editions which teachers should always have at hand, for this purpose. It may not be always practicable for the pupil to purchase the necessary music, but the teacher may provide some of it without very great expense. He might with perfect propriety under certain conditions make a slight charge for the use of it. Köhler, Czerny, Bertini, Sartorio, Berns, Duvernoy, Heinze, Bilbro, Gurliett, Engleman, Horvath, Loeschhorn and others have written a great deal of elementary music that has value as additional reading drill at the earlier lessons. The "Guide to New Teachers" which you may procure gratis from your publisher, contains hundreds of suggestions for sight-reading material, and the musical section of the "Eruus" is used by thousands of teachers for this purpose.

Joy In Music

By Francesco Mariano

THE first music on earth was doubtless the result of someone finding thus a spontaneous outlet for happiness.

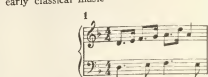
Happiness in whatever one undertakes is one of the surest mediums of success. A joyful outlook, an optimistic faith springing from this, and there is almost certain to be a happy result. Let us set to work upon it as a means to pleasure. Practice, and in the joy of mastering something before unknown get your best reward. Herein lies the most satisfying returns that ever come from any effort.

Dot and Double Dot

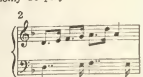
By Marcus A. Hackney

THE use of a dot after a note to prolong its value by one-half dotted back to the earliest origin of our present musical notation; but the double dot, prolonging it by three-quarters, is the invention of Leopold Mozart, father of the noted composer.

As has been often the case, the thing itself existed long before the sign. In the days of Bach and Handel, players were accustomed to exaggerate the effect of the dot in certain cases, especially in slow time, either to obtain a more striking rhythmic effect, or to make the parts fit together better. Thus, for instance, if found in early classical music



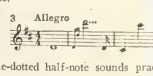
would commonly be played



One should keep this in mind in playing antique music, and be alert to act accordingly. However, it would not do to lay this down as a strict rule, as other cases occur in which composers more probably meant just what they wrote. One must be alert and sensitive to grasp their musical thought and do what the character of the context seems to require. The great possibility of misunderstanding is of course the very thing that led Leopold Mozart to invent a new sign.

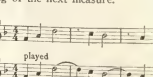
Young pupils are often puzzled to know just how to estimate, practically, the proper length of a double-dotted note. The well-known rule that the second dot adds again half the value of the first dot, while clear enough from an arithmetical point of view, is meaningless to them when it comes to actual playing. The best help is to tell them that a double-dotted quarter is practically a half-note, just enough shortened to sound in a sixteenth note at the end. Similarly, a double-dotted eighth note is something just short of being a quarter note, etc.

The same remark holds good in regard to the (very rare) instances of triple-dotted notes, only these are even more so:



This triple-dotted half-note sounds practically like a whole note.

There is a use of the dot found in some old editions of music, now so rare as to be almost forgotten, which might puzzle a modern player. This is a dot placed at the beginning of the next measure.



Were this entirely obsolete at the present time, we would omit mention of it, but examples still exist, for instance, in some of the parts of Brahms' *Trio for Clarinet, Violoncello and Piano*.

One Minute with Berlioz

TRUE art is the result of knowledge and insulation. Music is a heavenly art; nothing supplants it except true love.

To invent beautiful forms of rhythm is a thing that cannot be taught. It is one of the rarest gifts in music.

To be really impressed by music, we should, as it were, actually feel the vibration of the instrument and voices.

Music is the art of moving, by a systematic combination of sounds, the affections of intelligent, receptive and cultivated beings.

There is a certain profound beauty in music which, though we can all feel and perceive it, is yet by no means of a kind to call forth applause.

SUNSHINE FAIRIES

To be played with feathery lightness. A characteristic scherzo, Grade 3½.

Animated M M ♩ = 104

WALTER WALLACE SMITH

Copyright 1921 by Theo. Presser Co.

British Copyright secured

CHERISHED DREAMS

VALSE

A very melodious valse brillante, combining the singing style with some interesting passage work. Grade 4

CARL MOTER

Tempo di Valse M.M. $\text{♩} = 72$

TUNE UP DE OLE BANJO

In the popular syncopated manner. Very characteristic. Grade 2½

GEORGE F. HAMER

Vivo M.M. $\text{♩} = 144$

Ras-tus, when de moon am shin-in' bright at night, And dose pic-a-nin-nies am a-sleep-in' tight, so

tight, Tune up de ole Ban-jo, pan-ki-ty pank, Tune up de ole Ban-jo, pan-ki-ty pank. Ahwants to dance,

pan-ki-ty

Ahwants to dance, Tune up de ole Ban-jo, Fine Panki-ty pank, panki-ty pank, pank a pank a pank, panki-ty pank, panki-ty pank,

pan-ki-ty pank.

pp pang, pan-ki-ty pang pank, pan-ki-ty pank, pan-ki-ty pank, pank-a-pank-a-pank, pan-ki-ty pank pan-ki-ty pank Oh law!

D.C.

IN THE PALACE

POLONAISE

FRANK L. EYER

In majestic style. To be played in a full and sonorous manner, without hurrying.

Allegro M.M. ♩ = 108

SECONDO

IN THE PALACE

POLONAISE

FRANK L. EYER

Allegro M.M. ♩ = 108

PRIMO

WITH GLISTENING OARS

BARCAROLLE

IRA B. WILSON

An original four-hand piece, not an arrangement. To be played in a smooth and flowing manner. Grade 8

Con grazia M.M. ♩ = 58

SECONDO

WITH GLISTENING OARS

BARCAROLLE

IRA B. WILSON

Con grazia M.M. ♩ = 58

PRIMO

ON MOON-ENCHANTED WATERS

A BOAT SONG

LEO OEHMLER, Op. 341

Differing from most *barcarolles* by being in $\frac{3}{8}$ time instead of $\frac{6}{8}$, etc. Play in a flowing manner without jerkiness of rhythm. Grade 4Andante con moto M.M. $\text{♩} = 72$

mf

f

pp con calma *rall.*

p rall. *Fine*

mf *energico*

*D.S. **

Piu mosso

TRIO

mf *cresc.*

a tempo *rit.* *cresc.*

* From here go back to ♯ and play to *Fine*, then play *Trio*.
Copyright 1921 by Theo. Presser Co.

British Copyright secured

1 3 rall. *2 rall.* *energico*

as though from afar

mf *cresc.*

largamente con passione *rall. tranquillo* *D.S.*

pp *rit.* *marcato*

PETITE VALSE CAPRICE

WALTER ROLFE

A neat little waltz in running style. To be played in exact time throughout. Grade 2½

Tempo di Valse M.M. $\text{♩} = 68$

mf

cresc.

pp *rit.* *marcato*

degr. cresc. *Fine* *animato*

D.C.

Copyright 1920 by Theo. Presser Co.

British Copyright secured

SALTARELLA

A light springing dance with a sort of a "skipping" rhythm. Swift and light finger work is required. Grade 4

R. GOERDELER Op. 472

Allegro M.M. M.M. ♩ = 144 $\frac{3}{4}$

MERRY HUNTING PARTY

Suggesting the fanfare of hunting horns. Grade 3

Allegretto M.M. ♩ = 126

E. SÖCHTING, Op. 178, No. 9

LULLABY

THE ETUDE

Jensen, with his rare finish of workmanship, frequently in his inspirations closely resembles Schumann. This *Lullaby* is a case in point. Withal however, there is a real touch of originality. Grade 5

Moderato M.M. ♩ = 63

ADOLF JENSEN, Op. 33, No. 18

THE ETUDE

LOVE'S RESPONSE

Play the first theme in the manner of two voices singing together; the middle section like a baritone solo. Grade 3

Andante moderato M.M. ♩ = 84

BERT R. ANTHONY, Op. 286

1921
MARCHE AUX FLAMBEAUX

THE ETUDE

A lively and characteristic number, to be played in the first position throughout.

Tempo di Marcia M.M. $\text{♩} = 108$

CARL WILHELM KERN, Op.235, No.2

[illegible]

THE ETUDE

THE ETUDE AUGUST 1921 PAGE 2

Fine of Trio

p

cresc.

** D.C. Trio*

THE LITTLE SANDMAN

RHENISH FOLKSONG

A pleasing arrangement of one of the most beautiful of all folk songs; to be played with the violin muted.

Transcription for violin and piano
by ARTHUR HARTMANN

Softly, gently yet with motion

[illegible]

THE OLD PIONEER

A very fine example of a $\frac{5}{4}$ rhythm, spontaneous and not forced. Accent on the first and fourth beats, like a combination of three and two. Grade 5

THE ETUDE

ARCHIE A. MUMMA

With sturdy good humor M.M. ♩ = 84

[illegible]

DREAMING IN THE TWILIGHT

WILL H. RUEBUSH

A naive and charming ballad with an alluring and waltz-like refrain.

Moderato con espress

Moderato con espress.

1. The day is done, and
2. When life's last day is

mf

p

twi- light.
end- ing.

Has spread a broad its haze;
May He who sets each star,

In qui- et and con- tent- ment,
Send gleams of gold and sil- ver

I dream of oth- er days.
To wel- come from a- far.

Sweet hour of twilight dream- ing, calm- ly,
And may we watch as

Of charm and sun- set
As in the twilight

gold;
hue,

Your stay is all too fleet- ing, Twi- light,
We sit ev- ning qui- et, Dream- ing,

Your tale too soon is told.
And wish that dreams came true.

Dream- ing, dream- ing, dream- ing in the twi- light, Ros- es for the mor- row, mem'- ries of the past; The moon is

beam- ing, beam- ing, soon will come the star- light, Dream- ing in the twi- light, dream too sweet to last.

rall. *D.C.*

rall. *D.C.*

THE BIRD AND THE BABE

LULLABY

THURLOW LIEURANCE

Mr Lieurance's latest inspiration. Not an Indian song but partaking somewhat of the Indian characteristics.

Andante con moto

Allegro

 $\tau, h,$

Ch.

10

W

275

Not too fast

Sleep, — my babe, — To shad - ow land we fly. — An - gels will guard thee, in

Ped. simile

ba - by land. Oh! slum-ber on, My pret - ty one,

Coo, _____ Coo, _____ Sleep till break of morn; _____ Then the birds will a -

atempo

Flute

Copyright 1921 by Theo. Presser Co.

Note: From * to * may be omitted.

British Copyright secured

one. Ope wide thine eyes, On my breast thou wilt

rest. Ooo, Sleep, — ba — by, sleep.

rall. *pp*

Sleep, — ba - by, sleep.

CORNELIUS MARCH

F MENDELSSOHN, Op.108

Arranged by Harvey B. Gaul

This march, originally for orchestra, was composed in 1841 for a *fete* given in honor of the painter Cornelius. The first section of the piece as here given makes an excellent *sortie* or postlude.

Vivace M.M. $\text{♩} = 108$

Gt. Diap. Sw. *mf* coup.

MANUAL

PEDAL

Ped. 16' to Gt.

	Add to Gt.
--	------------

Full Sw.

Copyright 1921 by Theo. Presser Co.

JOLLY MUSICIANS

THE ETUDE

A lively march movement serving to exemplify the related keys of G major and E minor. Grade 2½.

M. GREENWALD

Tempo di Marcia M.M. $\text{♩} = 126$

Copyright 1921 by Theo. Presser Co.

British Copyright secured

THE ETUDE

Do Any of these Hit You?

In a recent issue of The Lyceum Magazine, Charles B. Taggart presents "Twelve Suggestions for Lyceum Entertainers." As we read these it seemed to impress us that the advice was in part very adaptable to certain musicians young and old, amateur and professional, who appear before the public. Do any of these hit you? Follow your gifts. Don't try to do what you can't.

1. Don't try to appear extemporaneous. That is showing off.
2. Study to acquire an easy, natural manner.
3. Be distinct. Make a clean-cut impression in each different turn you attempt.
4. Be kind to your audience, not snappish. Be able to be annoyed without showing it.

6. Don't show that local conditions are not satisfactory. Don't try to make it appear that you are used to better things.
7. Don't try to show that you are chummy with great people. Bad taste!
8. Don't assume too much humility. Never apologize for your work. Don't talk too much about your work. Do it!
9. Don't obtrude your personality in words or manner.
10. Treat your audience as a kind friend who is giving up the evening to you.
11. Don't appear to condescend to your audience. Bad taste! The wise ones will laugh at you. If you are really great, they will find it out, without your doing anything about it.
12. Strive for perfection in the fine points of your art. Grow from within.

Technic Tablets

By C. W. Fullwood

MERE technic makes a machine-like player. Intelligent practice, on the other hand, makes for an expressive, individual interpretation of the musical idea. Technic is a means of conveying the individual soul of the true musician.

Mental action must precede muscular control. The more complete the mental grasp of a subject, the easier and more effective becomes the technical or mechanical part of the execution.

There are two kinds of memory: one of the mind, and one of the hands. The former is well known. The hands and fingers, from thoughtful repetition, acquire unconsciously a form of memory.

Thumb technic is the bane of many pupils. Often there is much waste of mus-

cular effort owing to a wrong position of the thumb. The thumb, at all times, should be held in an easy position, slightly bent, ready for an instantaneous stroke or pressure. Study the thumb. Where there is complete muscular control, it becomes a most useful member. Thumb exercises may be practiced anywhere, on the arms of a chair, on the side-bars of a hammock, on the table or desk, while resting the body. I have walked on crutches since six years of age and often I have practiced thumb and finger exercises on their handles while resting from sitting at the piano. Another simple, effective exercise for the thumb is a rapid bending and relaxing of the first knuckle joint from the base of the forefinger to the tip of the little finger.

Impertinent Points on How Not to Practice

By Robert M. Crooks

BE sure to place your music upon the rack just any way and to go slip-slang through your piece from beginning to end. Don't dare to count your time; and have upon your mind that Johnny or Jenny is waiting somewhere on the outside for a good long play.

Play a measure or two, then run for a look at the clock.

Take one finger and pound out two or three scales, and thus fool mother who is in the next room.

Remember those chords your chum showed you how to play are far more important than that new piece you consider so hideous.

Turn over to the back of your book and play the easy measures and think what wonders you are doing.

The Lord's Fiddle

By Giulio Di Conti

FROM our early Pilgrim and Puritan ancestors we have inherited our now fast dying prejudice against the violin as the "devil's instrument." However, though the violin was held as of the world profanely worldly, this aversion did not extend to its "big brothers," the violoncello and double bass.

Under the name of "bass viol" both these larger instruments were classed; and in many New England churches, which could not afford the then expen-

sive organ, they were used as an accompaniment to hymn singing.

One good old deacon quaintly wrote, "I love the fiddle; not the wicked, wee little fiddle, full of dance tunes, but the great big fiddle, with a most heavenly tone." Deacon Prescott of Deerfield, N. H., made instruments that were much in demand. With several of them strapped to his primitive chair, he travelled about the countryside, disposing of them to willing congregations.

Let us show you a thoroughly dignified plan whereby any progressive teacher can add to the income by turning a few spare moments each week to an interesting profit. Write to-day: Department C, THE ETUDE, Philadelphia, Pa.

Does the burning summer sun redden and coarsen your skin?

YOU can be sure of a fresh, dainty complexion at any time—even in the trying heat of summer—if you use Ingram's Milwood Cream regularly.

Ingram's Milwood Cream protects the skin against the scorching effects of the elements—more than that, it prepares the complexion, for Ingram's Milwood Cream has an exclusive medicinal property that "tones up" regulars the sluggish tissues of the skin.

Get your first jar to-day—50c. or \$1.00—at your druggist's. It will smooth away redness and roughness, banish slight imperfections—keep your complexion soft and clear, even in the trying heat of summer.

Send us a dime for Ingram's Beauty Pouch containing samples of Ingram's Milwood Cream, Ingram's Rouge, Ingram's Veilwood Soothing Face Powder, a dainty powder pad, and samples of other leading Toilet-Aids.

FREDERICK F. INGRAM CO.
Established 1885
43 Tenth St. Detroit, Mich.

Musicians! Ingram's Milwood Cream rubbed into the finger tips will soften hardness and toughness—will keep your fingers the sensitive fingers that stand or sit all day long.

Write to-day for Beauty Pouch

MILWOOD Cream

(359)

"A half century of quality production"

The Craftsman's Skill

THE SKILL that comes only from long experience in producing the best is essential to the production of the piano that gives lasting satisfaction.

Every man whose work goes into the building of our instruments has

had the training required by the high standards of the House of Krakauer.

Their skill, together with the tested materials used insure the lasting qualities of the rich tone, the sensitive touch and the perfect responsiveness of the

KRAKAUER PIANO

"Ask any unprejudiced musician"

The Krakauer Grand
The Krakauer Upright
The Krakauer Player Piano
The Krakauer Reproducing Piano

Send for catalogue—no obligation.

Krakauer Bros., 193 Cypress Avenue, New York.

Please mention THE ETUDE when addressing our advertisers.

Please mention **THE ETUDE** when addressing our advertisers.

AMERICAN CONSERVATORY

CHICAGO'S FOREMOST SCHOOL OF MUSIC

36th Session Commences September 12, 1921

Offers superior courses in all branches of music and dramatic art, including Master School. Diplomas, Degrees and Teachers' Certificates granted by authority State of Illinois. Thorough preparation for concert, opera and teaching positions. Many special features, recitals, lectures.

Two Excellent Dormitories Offer Accommodations at Moderate Rates

UNSURPASSED FACULTY OF NINETY-FIVE ARTIST-INSTRUCTORS

Among them might be mentioned:

PIANO—Henri Levy, Allen Spencer, Victor Gurov, Silvio Sciotti, Louise Kobay, Kurt Wanick, Earl Blair.

VOICE—Karlton Hack tt, Ragna Linné, E. Warren K. Howe, Ch. del La Berra.

VIOLIN—Herbert Butler, Adolf Weidig, Ramon Girvin.

ORGAN—William Middelschulte, Frank Van Dusen, Herbert E. Hyde.

MUSICAL THEORY, COMPOSITION—Adolf Weidig, Arthur O. Andersen, John Palmer, Leo Sowerby.

VIOLONCELLO—Robert Ambrosius, Adolf Hoffman.

and many others.

GUEST INSTRUCTORS, 1921—Josef Lhevinne, David Bipham

Free Advantages: Including admission to Conservatory Recitals (by members of the faculty and advanced pupils); Teachers' Normal Training School; Lectures; Students' Orchestra; Vocal Sight Reading Class and A Capella Choir. 25 free competitive scholarships. (Examinations from Sept. 5 to Sept. 8. Apply for examination blank.) A Musical Bureau for securing positions.

Lycium and Chautauque engagements secured

Examinations Free Catalog mailed free on application Moderate Tuition Rates

AMERICAN CONSERVATORY, 571 Kimball Hall, Wabash Ave. and Jackson Blvd., Chicago

JOHN J. HATTSTAEDT, President—Karlton Hackett, Adolf Weidig, Henri Levy, Associate Directors

COLUMBIA SCHOOL OF MUSIC

CLARE OSBORNE REED, Director

CHICAGO

TWENTY-FIRST SEASON OPENS SEPTEMBER 5th

Registration Days, September 1st, 2nd, 3rd

SCHOOL YEAR, 44 WEEKS

This is a remarkable advantage for prolonged study during the student year.

RESIDENT FACULTY OF 60 EMINENT MUSICIANS

Many of whom are known throughout the musical world for the brilliancy of their attainments as artists and teachers

EVERY BRANCH OF MUSIC

Normal Training

For piano teachers and those preparing to teach

Normal Lectures
Interpretation
Keyboard Harmony
Improvisation
History of Music
Dalcroze Eurythmics
Observation—Children's
Classes
Teaching Material
Recitals and Lectures

Piano

Classes for Artist Students

Interpretation
Repertoire
Accompanying
Teaching Material
History and Appreciation
Observation—Children's
Classes
Recitals and Lectures

Theory

Harmony—Elementary and Advanced

Melodic Construction
Analysis
Composition
Keyboard Harmony
Improvisation

Voice

Coaching for Orchestral and Professional Singers

Practical Lessons for Teachers
Ensemble Orchestra Conducting
Lectures
History and Appreciation

Violin

Advanced work for Orchestral and Professional Players

Practical Lessons for Teachers
Ensemble Orchestra Conducting
Lectures
History and Appreciation

Public School Music Methods

Methods Psychology

Practice Teaching
Choral Conducting
Sight Singing
Ear Training
Orchestra Conducting
Harmony
Child Voice
Rote Song
History and Appreciation

Complete booklet mailed on request.

COLUMBIA SCHOOL OF MUSIC

Box 460
509 South Wabash Avenue
CHICAGO

Please mention THE ETUDE when addressing our advertisers.

Chicago Musical College

FELIX BOROWSKI, President

Dr. F. ZIEGFELD, President Emeritus

CARL D. KINSEY, Vice-President and Manager

The Leading and Largest College of Music and Dramatic Art of America

FALL TERM OPENS SEPTEMBER 12

Faculty of More than 100 Teachers including the following noted artists: (Alphabetically Arranged)

PIANO

MAURICE ARONSON
MOSES ROUSSEL
EDOUARD DU PRENE
EDWARD COLLINS
HARRY DETWILER
GLENN DILLARD GUNN
MAX KRAM
ALEXANDER RAAB
RUDOLPH REUTER
LOUIS VICTOR SAAR
C. GORDON WEDERTZ

VOCAL

BELLE FORBES CUTTER
STANLEY DEACON
EDOUARD DU PRENE
ROSE LUTIGER GANNON
MABEL SHARP HEDDEN
JOHN B. MILLER
ADOLF MUELMANN
EDOUARD SACERDOTE
BURTON THATCHER

VIOLIN

RICHARD CZEKOWSKY
LOUIS VICTOR SAAR
MAX FISCHEL
FREDERICK JENSEN
MAURICE GOLDBLATT
JOHN B. MILLER
LEON SAMETINI

ORGAN

CLARENCE EDY
ERIC DE LAMARTER
HELEN V. ROSS
C. GORDON WEDERTZ

HARMONY, COMPOSITION, COUNTERPOINT, CANON AND FUGUE

FELIX BOROWSKI LOUIS VICTOR SAAR HAROLD B. MARVOTT LAURA D. HARRIS RICHARD CZEKOWSKY

TEACHERS' NORMAL COURSES

LOUIS VICTOR SAAR (Piano)
GLENN DILLARD GUNN (Piano)
HAROLD B. MARVOTT (Vocal)
WALTON PYRE (Expression and Dramatic Art)

REPERTOIRE AND INTERPRETATION CLASSES

RUDOLPH REUTER
EDWARD COLLINS
BURTON THATCHER
GLENN DILLARD GUNN
LEON SAMETINI

PUBLIC SCHOOL MUSIC

HAROLD B. MARVOTT

SCHOOL OF OPERA

ADOLF MUELMANN EDOUARD SACERDOTE

DRAMATIC ART AND EXPRESSION

WALTON PYRE MINNA MAE LEWIS All Orchestral Instruments Taught

FREE SCHOLARSHIPS

OF THE TOTAL VALUE OF \$20,000

73 Free and 140 Partial Scholarships to be awarded Sept. 1. Application blank on request. Mason & Hamlin Grand Piano, presented for competition in the Post Graduation Class by the Mason & Hamlin Co. Conover Grand Piano, presented for competition in the Post Graduation, Graduation and Senior Diploma Classes by the Cable Piano Company. Valuable Violin presented for competition in the Violin Department by Lyon & Healy. Entire Musical Education for competition in the Violin and Violoncello Departments by the Chicago Symphony Orchestra. Opera Scholarships. These prizes will be competed for in Orchestra Hall, Chicago, before world-renowned musicians as judges and with Chicago Symphony Orchestra. Opera Scholarships. 15 prizes of \$300 each; 15 of \$100; 15 of \$50 in the classes; also Diamond, Gold and Silver Medals

DORMITORY ACCOMMODATIONS

56th YEAR

620 SOUTH MICHIGAN AVENUE

(Next to Blackstone Hotel)

LYCEUM ARTS CONSERVATORY

(INCORPORATED)

A School of Music and Dramatic Art

COURSES IN ALL BRANCHES

MASTER FACULTY INCLUDING:

Elias Day, President and Director of Dramatic Department
Theodore Harrison, Director of Music Department and Teacher of Voice
Lucille Stevenson, Vocal Department
Alexander Zukovsky, Violin Department
Jeanne Boyd, Theory Department
Katharine Howard-Ward, Organ and Piano Department

Our two and three year courses leading to degrees, diplomas and teachers' certificates enable our graduates to obtain splendid positions in the concert and teaching field.

Over five hundred of our students are now filling successful positions throughout the country.

Fall Term Opens September 12, 1921

Dormitories and studios in our own beautiful building in the heart of new art center, two blocks from Lake Michigan, North side.

Write Secretary for free catalog.

JEANNE HOWARD, 1160 N. Dearborn St.,

Box E Chicago, Illinois.

Please mention THE ETUDE when addressing our advertisers.

Sherwood Music School

Established 1895 by Wm. H. Sherwood

THE SCHOOL OF OPPORTUNITY

FALL TERM

Begins on Tuesday, September 6th, 1921

Private and Class Lessons in Piano, Voice, Violin, Organ, Theory, Dramatic Art, Dancing, Languages, etc.

FREE SCHOLARSHIPS

To be awarded by competition in all departments. Free Scholarship Application Blank on request.

Many other free advantages in the way of concerts, lectures, etc. Individual appearance afforded students taking advanced private instruction in any department.

THE ONLY SCHOOL IN AMERICA THAT CAN POSITIVELY FURNISH POSITIONS TO ITS GRADUATES

Every one of our 1920 and 1921 Graduates, as well as many former pupils, have been placed in good positions.

Over 600 Branches in 36 States with a total enrollment of 15,000 pupils.

Special attention given those preparing for concert work.

Students may enter at any time.

Remember, the Sherwood School is "The School of Opportunity." Perhaps this announcement offers you an opportunity—only one you can lose—of becoming a star.

For detailed information regarding Free Scholarships, etc., address

E. SUNDALOVE, Asst. Secretary, 305 Fine Arts Building, Chicago, Ill.



Summer Music School

for Music and School Teachers

Personal Direction of

EFFA LEAFIELD

First Session June 6th to June 25th

Second Session July 5th to August 25th

Third Session August 25th to Sept. 10th

New York City

Read for full program of courses. Address

Effa Leafield Music School, Inc.,

215 South Wabash Ave., Chicago, or

415 West 64th Street, New York City

Telephone, BR 7253

Publications available in Chicago

JULY AND AUGUST

SIGHT READING MADE EASY

For Pianists

Present one business perfect sight reading by reading my

course "The Art of Sight Reading." Sight reading is not

"right" and it is within the reach of all. The method

and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

made and how to overcome the obstacles of sight reading

Schools and Colleges

NEW YORK

THE ETUDE

THE ETUDE

Salvini School of Singing

NINTH Mario Salvini, Director **YEAR**
206 West 71st St., New York City Telephone: Columbus 2202

A singing school living up to highest standards of art. The direct way to the manager, producer and impresario. Opera, concert, church, oratorio, musical comedy and teachers' courses.

PUBLIC APPEARANCES

Courses for beginners, advanced students and courses of perfection for artists. Opera department endorsed by Gatti Casazza, Director General of Metropolitan Opera House, Arturo Toscanini, Giorgio Polacco, Gennaro Papi and others prominent in the musical world.

The method used by Mr. Salvini and assistants is of the Italian School of Bel Canto, comprising: breathing and vocal gymnastics, voice placement, solfeggio, development, diction, phrasing, analysis of the voice, its scope, functions and possibilities, development of the vocal, rhythmic, and musical faculties. Songs, ballads, arias, operas in the different original languages. *Lessons given evenings.* Address correspondence

MARIO SALVINI 206 West 71st Street New York City

University of Rochester Eastman School of Music

Founded by George Eastman
ALF KLINGENBERG, Director

AN ENDOWED MUSIC SCHOOL FOR PROFESSIONAL AND CULTURAL STUDY

CHRISTIAN SINDING
Engaged for Department of Composition.

Faculty list includes for next year: T. H. Yorke Trotter, Joseph Bonnet, Harold Gleason, Arthur Alexander, Arthur Hartmann, Pierre Auglars, Raymond Wilson, Adelin Fermia, Gerald Maas, George Barlow Penny.

SKIDMORE SCHOOL OF ARTS

CHARLES HENRY KEYES, Ph.D., President
A woman's college offering liberal and cultural courses with special emphasis on the study of the fine arts. Appointments for instruction in painting, sculpture, music, physical education, secretarial science, and general courses, with related subjects. Four year course leads to B. S. degree. Residence accommodations for 30 students. For catalogue, address:

THE SECRETARY
Box J, Saratoga Springs, New York



Ithaca Conservatory

A Conservatory that offers not merely a place to study certain instruments, but a complete musical education; that develops not merely "performers" but true musicians. Unique advantages for those who look forward to concert work, for special attention is given to the Lyceum training. The Conservatory being actively associated with a flourishing Entertainment Bureau and having several of its own companies in the Lyceum field. Ithaca Conservatory students are holding many of the best positions available in America. Graduates are qualified to teach music in New York State Public Schools without the usual State examination. A special course for teachers of physical education—musical demand for teachers throughout country. Large School of Expression and Dramatic Art.
Schools of piano and organ, violin, singing, harmony, composition, orchestration, band, small string instruments, languages, painting, expression, dramatic art. Beautiful, commodious buildings, concert hall and dormitories. Resident and day students. Master courses with world-famous artists in all departments. School of Piano Tuning in connection. Terms moderate. Catalogue.

THE REGISTRAR, Ithaca Conservatory of Music
140 West Park, Ithaca, N. Y.

INTERNATIONAL MUSICAL EDUCATION

MRS. BARCOCK
OFFERS Teaching Positions, Colleges, Conservatories, Schools, Music Church and Concert Engagements
CARNegie Hall, New York

The National Conservatory of Music of America

The only School of Music in the U. S. chartered by Congress
JEANETTE M. THURBER, Founder
Ad. Sec., 126 W. 79th St., N. Y. City Office also at Washington, D. C.

SUMMER TEACHER'S COURSES

NEW YORK SCHOOL OF MUSIC AND ARTS

150 RIVERSIDE DRIVE (CORNER 87th STREET)

Six Weeks Courses from May 15th to September 1st

Please mention THE ETUDE when addressing our advertisers.

Interested in Piano Playing?

Then you should know of

The Virgil Method, Vols. I and II
How When and Where to Pedal
175 Piano Pieces and Studies (Grades I to IV)
All by Mrs. A. M. Virgil
(Graded catalog on request)

You should know also

The splendid instruments for Piano Practice called
The Virgil Tekniklavier (Both full Piano size)
The Bergman Clavier
Four and Two Octave Keyboards in Suitcases
(To use in traveling or in small apartments)
The Child's Pedal (A pedal and footrest for the child)

Also the well known

VIRGIL PIANO CONSERVATORY

120 West 72d St. Catalogs and full information request NEW YORK CITY

GRANBERRY PIANO SCHOOL

Carnegie Hall, New York

COURSES FOR
PIANISTS
ACCOMPANISTS

TEACHERS

The SIGHT, TOUCH and HEARING System of Teaching. Write for booklet

Institute of Musical Art

OF THE CITY OF NEW YORK
Frank Damosch, Director

An endowed school of music conducted solely in the interest of higher musical education and providing complete and comprehensive courses.
SPECIAL PREPARATORY CENTRES in different parts of New York City and Brooklyn for children between seven and twelve years of age.
For catalogue address:

Secretary, 120 CLAREMONT AVE., NEW YORK CITY

Crane Normal Institute of Music

Training School for Supervisors of Music
BOTH SEXES
Voice culture, sight-singing, ear-training, harmony, form, musical composition, music theory, piano, practice-teaching. Graduate hold important positions in schools, city and state schools.
53 MAIN ST., POTSDAM, NEW YORK

Piano, Pedagogy, Public School Music

William Thomson Lela Hagden
Francis Moore M. F. Hart

Organ, Composition
R. Huntington Woodman

Violin, Violoncello
Theodore Spiering
Nathan Zaslavsky
Gustav O. Harberg

Voice
Sergei Kabanov
McCall Lushan
Lever Tabla
Luis Madden

36th Season—
October 3rd, 1921

Send for Circulars
and Catalogue
KATES, CHITTENDEN, Dean
MAY I. DITTO, Co. Secretary

212 West Fifty-ninth Street
New York City

Schools and Colleges Continued on Third Cover Page





The Music Lesson

By Violet Leigh

Two-four the teacher. One sharp. Take care!
Playfully—see *Scherzando*
And *allegretto*. Look out there,
Mind well the *ritardando*!
Gradually make the time more slow;
And make the music sing,
Let the "old cat die," you know,
As if you were in a swing.
Slower—slower—until you stop,
Get that *ritard* just right.
A thing half done we should not drop,
But work with all our might.
Play softly now, see that *pp*!
Mind each *staccato* note
As if the keys were hot, you see.
Now let the music float
Off in the air like some sweet song
Of gentle little bird;
There's *dolce*. Next chord short and strong;
Sforzando is the word.
Next comes a long, *legato* run.
Be sure to never fall
Until your music days are done.

How Notes Grew

Did you know that, before the year 1690, eighth and sixteenth notes all were printed with separate stems instead of  instead of , except in a few specimens of engraved music? John Heppinstall, a London music-printer, was the first to introduce the "new tied note" to England.

During a delay in print the Chronologist is omitted this time, but will be continued.

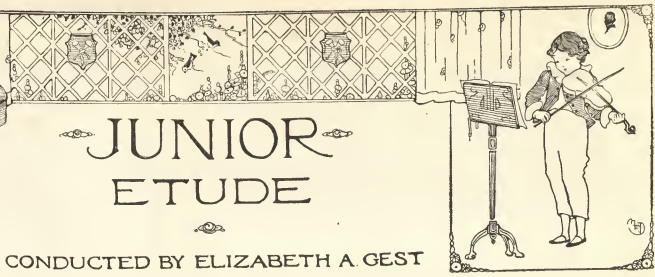
Thousands of Them!

Did you know that when you play a scale four octaves, four times, both hands together, you strike the keys four hundred and forty-eight times?
And when you play the chromatic scale four octaves, four times, both hands together, you strike the keys seven hundred and sixty-eight times?
And when you play the chromatic scales and each of the twelve major and minor scales in this manner, you strike the keys eleven thousand, five hundred and twenty times?

Enigma

By Evangeline Chase

My first is in *have* but not in *get*;
My second is in *come* but not in *met*;
My third is in *you* but not in *me*;
My fourth is in *do* but not in *be*;
My fifth is in *branch* but not in *tree*;
My whole is a man who lived far away.
Who wrote music to sing and music to play.
Answer—Haydn.



Mark's Music and Ball Playing

By Rena Idella Carver

As Mark Jones had given more attention to ball playing than to practicing for a few weeks his music lessons had not been well prepared. He came home tired and cross from a lesson, threw his music on the floor, dropped into a big rocker and went to sleep.
In a crowded court room he saw a solemn judge, lawyers and witnesses.
A lawyer, who looked very much like the picture of Chopin in his teacher's studio, was eloquently pleading a case. The lawyer alleged that the defendant had struck and injured the plaintiff. This lawyer stated that on the first day of October the defendant had neglected his duties, as shown by the defendant's own record.
He said that he would now call upon the plaintiff for further proof. Before Mark's startled gaze there rose the first page of Chopin's *Grande Valse Brillante*.



"Your Honor," said *Grande Valse Brillante*, turning to the judge. "You see before you the wreck of my former self. I have been daily abused by Mark Jones. He threw me violently on the floor, disabling me for life."
Upon Mark's horrified ears fell the words of the witnesses.
"Your Worship, I am here to testify that the defendant played at slo-mo music with congratulations. The baseball heroes and musicians smiled, and as he opened his eyes he saw his father and mother smiling down at him, and he jumped up and put his music carefully away."

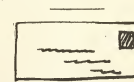
"Honorable Judge," began Fingering. "He ignored me, thus making life almost unbearable for the plaintiff."
Mark sat there overwhelmed with shame and humiliation.
Then Mark's teacher presented the defendant's side of the case. He produced much evidence to prove that this was the first serious offense. A Beethoven Sonata testified that he had not received an injury from Mark. Schumann and Czerny selections declared that he had been very considerate.
Mark's teacher cleverly brought up Father Time. Leaning on his staff he solemnly proclaimed: "I feel it my duty to say that the defendant has shown me veneration and in the present case I was an eye witness and a member of the plaintiff's household."
Notes arose and said that it gave him pleasure to state that Mark was very careful and seldom made mistakes when dealing with them.

Gravely the judge asked Mark if he had anything to say. Very much frightened Mark answered: "Oh, Sir! I treated *Grande Valse Brillante* shamefully. I just love to play ball and the fellows practiced during my music hour. I did not mean to be so bad and if you people will only give me another chance I will practice faithfully."
Then there was a dreadful cross-examination. Mark shook with terror. The judge read law and the jury went out.
When they returned the foreman announced that as it was the first offense and as there were mitigating circumstances the judge had decided that the defendant should be released upon good behavior and that he must report to the judge every week and must pay the costs of the trial. Mark's friends crowded around him with congratulations. The baseball heroes and musicians smiled, and as he opened his eyes he saw his father and mother smiling down at him, and he jumped up and put his music carefully away.

Pints and Quarts



Did you ever think of measuring four-four time by pints and quarts? Sometimes it is easy to straighten things out if you measure them this way—or at least pretend to. The eighth notes will be the pints, of course, and two pints make a quart, so the quarter notes will be the quarts; in fact they have almost the same name. And four quarts make a gallon, so the whole notes will be the gallons, and a half gallon is two quarts, or a half note. Really it works out very well, and sometimes does help to straighten things out, especially when one is not "good at counting." It would never do to cheat in measuring out quarts, because if three pints went for one quart that quart would be getting something for nothing and there would not be enough pints for all the quarts. And if three quarter notes were put in place of two for the half note, it would not come out right either. When we have a quarter note rest we can think of that as a quart measure too, only it is empty; and an empty measure is just as big as a full one. So do not cheat measuring rests, either!



The JUNIOR ETUDE receives so many letters from its friends and readers that it is not possible to print them all because many are so much alike. Many of you live in interesting places and do interesting things. When you write tell something about these places and about the things you do. There is no limit for the Letter Box, but try to make your letters interesting.

Letter Box

DEAR JUNIOR ETUDE:
I am just writing to tell you how much I am enjoying the letter of mine which you so kindly published in the January ETUDE. When I wrote that letter to THE ETUDE asking for correspondents, I never even dreamed of getting so many nice letters. I now have ETUDE friends all over the United States, and some in Canada.

I have become so attached to THE ETUDE that I can't do without it. I think it is the nicest and most wonderful magazine published.

From your friend,
ANNA EARLE CRENSHAW (Age 13),
Alabama.

Play is nothing more than having fun with what you like to do best.
If you really like your music, practice becomes the best kind of play in the world.

Junior Etude Competition

The JUNIOR ETUDE will award three prizes each month for the most original essays or stories and answers to puzzles.

Subject for story or essay this month: "The Importance of Good Manners." Must contain not over one hundred and fifty words. Age of boy or girl under fifteen years of age may compete.

All contributions must bear name, age and address of sender (written plainly and not on a separate piece of paper) and be sent to the JUNIOR ETUDE, c/o THE ETUDE, 1712 Chestnut St., Philadelphia, Pa., before the twentieth of each month. Names of prize winners and their contributions will appear in the October issue. Please comply with all of these conditions and do not use typewriters.

THE VOICE
(Prize Winner)

The voice is the most precious musical source in the world. The fact that it cannot be replaced when gone means its use. The voice has a large range and is used in many ways, some being governed by the air capacity of the lungs and others by the diaphragm. It is a distorted fact as to who has reached the highest tone. Soprano singers are numerous, bass and tenors are a bit more rare, while a very good contralto is still more rare.

The entraining music of the voice lures one into the land of music in a way that surpasses all other musical sources.

THE VOICE
(Prize Winner)

Dorothy was practicing but thought the time would never come when she could go out to play. But just at that moment a girl appeared before her. "What are you doing here?" Dorothy asked. "I have come to sing you a beautiful melody and tell you about it," she answered. "I have come to sing," she sang the melody and Dorothy thought she had never heard anything so beautiful. "It takes a lot of training to sing like that and you must be patient," she said. "I have to sing to get my high notes away up in your head, and you must keep your mouth round and open. The more you practice the better your voice will become."

Thus the fairy vanished.

MARGARET WATSON (Age 12), Penna.

THE VOICE
(Prize Winner)

Hear the voice of the wind as it flutters within its way through the leaves of many a tree. Hear the voice of the water as it flows in a voice not cruel but calm. The song of the waterfalls that brings to the aged thoughts of youth; to the young, thoughts of the future; to the romantic from their reveries; to the wise from their dreams; to the spirit of what are they dreaming but of spirits leading into one voice bringing before them their hopes made true.

The human voice brings its achievements. Each tone that comes forth is a blessing of the soul. Each tone brings one nearer to the superworld. The song is but a whiff of air that is the delight of each inspired person's heart; to be consumed as vapor but never erased from the memory.

DANIEL BOLINS (Age 11), Penna.

Honorable Mention For Compositions

Florence Robey, Elmer Kitch, Marjorie Williams, Miriam Rosenfeld, Olga Seely, Mary Hummel, Harvey Herring, Beatrice Friedrich, Gladys Goodman, Florene Dreyer, Mary Grace Murray, Sylvia Levin. The following names were accidentally omitted from last month's list—Carrie Hoover, Florence Myrick, John L. Sullivan, Jack Land Davis, Ruth M. Hoyle.

Puzzle Corner

Prize Winners—Laura Porter, Iowa (Age 14), Nichelle Albert (Age 8), Ohio.

Honorable Mention for Puzzles—Helen Haines, William Werner, Mary Ellen McKenzie, Gladys Goodman, Roy Winslow. The following names were accidentally omitted from last month's list—Lucille Merchelz, Agnes Dunn, Marjorie Hanchbach, Ellen Mairi Desmond, Flora Stolt, Florence Baumman, Marie Per, Mildred Helmer.

"The Houses on Piano Street"

By Elmer G. Wilson Smith

We met on the train. "So you are studying music," said Dr. Burt, taking the offered seat beside me. "Then you will be interested in the method I used in preparing my daughter in piano for the entrance requirements at the conservatory. I began when she was three years old, and what she learned was absorbed as unconsciously as if she were learning to walk."

"My first purpose was to have her become well acquainted with her own fingers. To teach this I asked her to raise her 'Pointer-finger,' 'Big-finger,'

'Ring-finger,' 'Little-finger,' and 'Mr. Thumb.'"

"My next step was to give each finger a house in which to live. Taking her to the piano I put my thumb on middle C and told her that Mr. Thumb lived in that little white house. Laughingly she entered the fun of this new game. In time the fingers 'made visits' to the other 'houses' (the four notes of the C major scale)."

"The next step was an important one—that of introducing the staff. 'We will draw the picture of Mr. Thumb's house,' I announced, and I placed a quarter note on the proper added line below the staff. Gradually pictures of the other houses were drawn, and we had the names of five notes and their location on the staff and the piano."

"One day I heard her singing a little melody which we had played. This presented the idea of using words, and I wrote exercises like the following:

C D E D C
Mister Thumb lives here
I will play with G
C D E F E
I know E is here

"Instead of always singing the words of the above exercises I taught her to sing the numbers, thus introducing note values. Quarter notes were always used until she unconsciously played the notes in even time. It was not hard then to introduce the half note with stories about its being a big house, and the whole note as being a big, big house. Here is an illustration:



"An interesting way to teach her the difference in tone volume was telling her Mr. Thumb ought to go home softly and not wake the baby" or the door is locked and Little-finger must knock three times, first loud, then soft, and then loud."

Each exercise and story suggested another, and it was easy to keep the child entertained while she unconsciously learned the five-note scale, the corresponding letters, repeated notes, either loud or soft, playing on the tips of her fingers, using the left hand, etc.

"All this time she had been absorbing the sound of the intervals and their differences. In a story I let her discover that there were other rows of houses on 'piano street' sounding just like the first row. Of course, the other rows were merely the next octaves higher or lower.

"More stories about calling at the new houses, and I had trained her pliable little fingers to connect the rows in the proper way. Finally she learned the whole scale upon which we built all other exercises.

"I must leave at the next station or I would tell you of some amusing experiences we had. As for the method, it seems to me that it has proved its worth. At an early age she was playing in public, and when she entered the conservatory she stood first in her class. Because she began to study so early she has retained the natural flexibility of her fingers. She reads more by the location of the note on the staff than by the name, and yet she can read as rapidly as the best. Come around and see me sometime—good-bye."

Letter Box

DEAR JUNIOR ETUDE:
This is the first letter I have ever written to the JUNIOR ETUDE. I am going to take up music as my life work. I want to be a pianist and a composer. I have many ideas. My ambition is to give piano concerts in large cities and also wish to compose and play my own pieces.

From your friend,
EVELINE WEISS (Age 10), Pennsylvania.

Etude Premiums

10 SELECTED SONGS 10

IN SHEET FORM

Your choice of contralto or soprano voice. This offer has been received with much favor by hundreds of our friends and subscribers.

Awarded for 2 subscriptions.

Adjusto-Lite

A lamp that can be attached anywhere—throws light exactly where it is needed. Prevents eye strain. Guaranteed 5 years. Complete with 8 foot cord, plug and gasket.

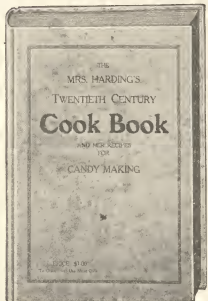
Awarded for 5 subscriptions.

BOOKS

New and interesting, romance and fiction, by the best Authors. Choice of any book listed in the July or August ETUDE Publisher's Notes.

Awarded for 2 subscriptions.

SPECIAL AWARD



Through a special arrangement with the Publishers of the 20th Century Cook Book, we are able to make this exceptional offer.

Comprehensive and complete in every detail, it is a new departure—entirely different from other cook books. Special emphasis is placed on table etiquette. Our supply is limited. Take advantage of this offer now.

For only 1 subscription.

To Premium Workers

We are now selecting our premiums for the Fall and Winter of 1921—1922. Have you any suggestions to offer? Are there any special articles which would particularly interest you?

We will greatly appreciate your interest. Please let us hear from you.

THE ETUDE, PREMIUM DEPARTMENT.

THEO. PRESSER CO., Philadelphia

Please mention THE ETUDE when addressing our advertisers.

Schools and Colleges PENNSYLVANIA AND MIDDLE WEST

COMBS CONSERVATORY OF MUSIC PHILADELPHIA

37th YEAR OPENS SEPTEMBER 12th

Because of its distinguished faculty, original and scientific methods, individual instruction, high ideals, breadth of culture and combined with efficient management, the COMBS CONSERVATORY affords opportunities not obtainable elsewhere for a complete musical education.

All Branches. Normal Training Course for Teachers. Public Performances. (Four Pupils' Recitals a week.) Orchestra and Band Departments. Two Complete Pupils' Symphony Orchestras. Conductor's Course.

Reciprocal relations with University of Pennsylvania.

SCHOOL OF INDIVIDUAL INSTRUCTION

(Theoretical and Applied Branches Taught Privately and in Classes) Faculty: Gilbert Raymond Combs, Piano; Hugh A. Clarke, Music Dir.; Theory Nelson A. Chesnut, Music; Russell King Miller, Organ; William Gaiger, Mrs. Deane, Violin, and 78 assistant teachers.

SUMMER SCHOOL

Teaching in all branches will be continued during the Summer under the personal instruction and supervision of Department Directors. Work taken during the Summer will be credited on regular courses.

DORMITORIES FOR WOMEN

In addition to delightful dormitories equipped with modern and improved appliances, the dormitory pupils have advantages not afforded in any other school of Music. Daily supervised Practice, Daily Classes in Music, Musical Science, Theory, Composition and Memory Training, Vocal and instrumental Ensemble.

SIX SPACIOUS BUILDINGS

The only Conservatory in the State with Dormitories for Women

A School of Inspiration, Enthusiasm, Loyalty and Success.

Illustrated Year Book Free

GILBERT RAYMOND COMBS, Director. Office, Studios and Dormitories

Administration Building, 1331 So. Broad Street

P.M.I. Philadelphia Musical Academy

Pittsburgh Musical Institute, Inc.

Now in new building. Over 100 students last year. Dances for music students, in affiliation with University of Pittsburgh.

FALL TERM OPENS SEPT. 6TH

One and Two Year Courses in Piano, Voice, Violin, Organ, Public School Music, leading to diplomas recognized by the state. Send for free catalog. Dormitory accommodations.

MACPHAIL SCHOOL MINNEAPOLIS, MINN.

100 TEACHERS ONE OF THE LARGEST IN AMERICA

Michigan State Normal College Conservatory of Music YPSILANTI, MICHIGAN

Courses in singing, piano, organ, violin and theory. Courses for training supervisors and teachers of public school music. Graduation leads to a state certificate valid in any state of the Union. Total living expenses meet not more than \$200.00. Catalogue. CONSERVATORY OF MUSIC, BOX 9, YPSILANTI, MICHIGAN

HUNTINGTON COLLEGE CONSERVATORY C.W.H. RANGS, President YPSILANTI, MICHIGAN

Courses in singing, piano, organ, violin and theory. Courses for training supervisors and teachers of public school music. Graduation leads to a state certificate valid in any state of the Union. Total living expenses meet not more than \$200.00. Catalogue. CONSERVATORY OF MUSIC, BOX 9, YPSILANTI, MICHIGAN

Minneapolis School of Music, ORATORY AND DRAMATIC ART

WILLIAM M. PORTER, Director, Chas. M. B. Jones, Director, Dramatic Art, 40-42 Eleventh St., St. Paul, MINNEAPOLIS, MINN. LARGEST SCHOOL OF ITS KIND IN THE WEST ALL BRANCHES OF MUSIC AND DRAMA IN THE CITY 80 Artist Teachers Year Book Free on Request

PERCY FULLINWIDER, Violinist Head of Violin Department LAWRENCE CONSERVATORY Appleton, Wis.

A MASTER TEACHER Usual opportunity for the serious student of violin. Write for free catalogue and information. CARL J. WATERMAN, Dean

Other Middle Western Classifications on Pages 546, 547, 548 and 549

Please mention THE ETUDE when addressing our advertisers.



Known for Democracy, Economy, Hard Work

CONSERVATORY OF MUSIC

40th Year Opens Sept. 21st

THE Conservatory occupies a beautiful building devoted exclusively to its own use. In the building are forty-eight practice rooms, each containing a piano. In addition, there are large studios and special rooms for Harmony. For recitals, ensemble work, etc., there is a Recital Hall, thoroughly furnished with every appliance for such work.

A complete and broad musical education based upon the best modern American and European principles is offered in:

PIANO, VOICE, VIOLIN, ALL ORCHESTRAL INSTRUMENTS

Musical Theory, Harmony, Counterpoint, Composition, Musical History, Appreciation

PUBLIC SCHOOL MUSIC, EAR TRAINING, SIGHT SINGING

CHORUS and OPERATIC CLASSES

FULLY EQUIPPED ORCHESTRA OF 40-50 MEMBERS UNDER AN EXPERIENCED SYMPHONY CONDUCTOR WITH EUROPEAN REPUTATION

LYCEUM ART COURSE

Thorough preparation for Platform and Stage in

VIOLIN, VOICE, PIANO, ALL ORCHESTRAL

INSTRUMENTS and in DRAMATIC ART

SPECIAL COACHING FOR PROFESSIONAL

MUSICIANS, ACTORS and READERS

DEGREES, DIPLOMAS, TEACHERS' CERTIFICATES

LYCEUM and CHAUTAUQUA engagements secured

The Faculty consists of highly educated and experienced Musicians of International recognition

Moderate Terms STUDENTS MAY ENTER ANY TIME

The Conservatory is located so near Chicago that it must compete with the best work done there, so that Valparaiso students have every advantage that they could possibly have in the city and at an expense not one-fifth as great.

The low cost of all courses has not been brought about by sacrificing a high grade of instruction, but by applying business principles to the

Cost of Living

so that the most satisfactory accommodations for board and room may be had at \$80.00 per quarter of 12 weeks

For Free Catalog Address

J. E. ROSSELLER, President Box 6, University Hall, Valparaiso, Ind.

Please mention THE ETUDE when addressing our advertisers.



Godowsky



READER NOTE—This announcement of the most notable accomplishment of years in photographic reproduction, is made with the approval of world authorities, before whom the remarkable pianoforte records mentioned below were demonstrated.

True Piano Tones At Last Achieved In Phonographic Reproduction!

For years highest musical authorities said it was impossible.

That no phonographic record, no phonograph, could convey piano notes without "mechanical" suggestion—without shallowness or vibration.

Now Brunswick announces perfect rendition! Tones deep and clear—notes amazing in their fidelity.

And world authorities proclaim this the Supreme Achievement in recording and reproducing music.

Exclusive Methods the Reason

By virtue of exclusive methods of Reproduction and of Interpretation, Brunswick achieves perfect rendition of the so-called "difficult" tones—the piano, the harp, the human voice; attaining even soprano High "C" without "metallic" in-

trusion, "chatter" or vibration. Methods which apply to no other phonograph or records.

The Brunswick Method of Reproduction is exclusively Brunswick. The Brunswick Method of Interpretation, in producing records, has not been successfully imitated.

Hence, buying any phonograph, without at least hearing The Brunswick, is a mistake. And to be without Brunswick records is to miss much of what is best in music.

Ask your nearest Brunswick dealer for a demonstration. The Brunswick plays all records—and Brunswick Records can be played on any phonograph. Hear, compare—then judge for yourself.

Note: New Brunswick Records are on sale at all Brunswick dealers on the 16th of each month in the East, and in Denver and the West on the 20th.



© B. B. C. Co. 1921



Hear These
Super-Feature
Pianoforte Records
—the most talked-about records
of the day

30004—Marche Militaire (Schubert-Tausig)
concert paraphrase Leopold Godowsky
19027—Witches' Dance (MazDowid)
Leopold Godowsky

Important!

The above records can be obtained in conveniently packed folders, containing the two, at any Brunswick dealer's price \$2.50. Or singly, if desired.

THE BRUNSWICK-BALKE-COLLENDER CO., CHICAGO

Manufacturers—Established 1845

BRUNSWICK

PHONOGRAPHS AND RECORDS